छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 60 ■ अम्बिकापुर, रविवार 22 फरवरी 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

निगम के द्वारा सप्लाई किए जाने वाले पानी में मिला ई-कोलाई

दिसम्बर माह से ही पीलिया से पीड़ित आ रहे थे सामने, डोर-टू-डोर सर्वे शुरू

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नगर निगम अंबिकापुर के मोमिनपुरा सहित आसपास के इलाके में दूषित पानी पीने से पीलिया से ग्रसित 42 से अधिक लोगों के सामने आने के बाद स्वास्थ्य प्रबंधन और निगम प्रभावित क्षेत्र पहुंच कर पीड़ितों की घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करने में जुट गया है। वार्डवासी बताते हैं कि दिसम्बर 2025 से ही सर्वाधिक बच्चे पीलिया से पीड़ित सामने आ रहे थे। हाल में एक सप्ताह पूर्व आधा दर्जन से अधिक पीलिया से पीड़ित एक ही इलाके से जब सामने आए, तो स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ी और एहतियात बरतते हुए सीएमएचओ ने 17 फरवरी को इसकी जानकारी लिखित में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, सरगुजा को दी। 14 फरवरी को शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ की इंचार्ज डॉ. जया अग्रवाल ने प्रभावित क्षेत्र से लिए गए पेयजल सैंपलों की जांच मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में कराई। इसके बाद चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई। कई नमूनों में एमपीएन की मात्रा निर्धारित मानकों से अधिक पाई गई। कुछ सैंपलों में 22 से 28 एमपीएन प्रति 100 एमएल तक बैक्टीरियल लोड दर्ज किया गया, जो पेयजल की श्रेणी में स्वीकार्य नहीं है। मानक के अनुसार पेयजल में एमपीएन की संख्या शून्य होनी चाहिए। 10 से अधिक एमपीएन संदिग्ध तथा 50 से अधिक अत्यधिक प्रदूषित माना जाता है।

मोमिनपुरा, नवागढ़, श्रीगढ़ सहित आसपास के इलाके में पीलिया से पीड़ितों की बढ़ती संख्या को देखकर शनिवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम व नगर निगम के जिम्मेदार वार्ड में पहुंचे। इस दौरान जहां एक ओर स्वास्थ्य विभाग ने डोर-टू-डोर सर्वे करके पीलिया से पीड़ितों की जानकारी एकत्र की, वहीं 20 से अधिक घरों से निगम के द्वारा सप्लाई किए जाने वाले पानी का सेंपल लिया है। इनके द्वारा घर-घर जाकर उबालकर पानी पीने की सलाह दी जा रही है। बच्चों का विशेष ख्याल रखने के लिए कहा जा रहा है, ताकि बीमारी का फैलाव न हो पाए। वार्ड के लोगों का कहना है कि कई बार नगर निगम दूषित पानी की सप्लाई करता है, जिससे लोग बीमार हो रहे है। बड़ी बात यह है कि दिसम्बर से पीलिया के फैलते प्रकोप के बीच नगर निगम सप्लाई किए जाने वाले पानी से फैलती बीमारी को लेकर बेखबर रहा। जब स्वास्थ्य विभाग के सीएमएचओ ने पत्र लिखकर अवगत कराया तो निगम का अमला हरकत में आया है, और डोर-टू-डोर पानी का सेंपल एकत्र करने की कवायद शुरू हो पाई है। वार्ड के लोगों से चर्चा में यह भी सामने आया कि निगम क्षेत्र में कई पानी के पाइप लाइन नालियों से होकर गुजरा है, जिससे पानी के दूषित होने का खतरा है। सीवर में पाए जाने वाले फिकल कोलीफॉर्म और ई-कोलाई की पेयजल में मौजूदगी जलजनित गंभीर बीमारियों का कारण है, जो क्षेत्र में बढ़ते पीलिया मामलों से सीधे तौर पर जुड़ी हो सकती है। बहरहाल अब निगम व स्वास्थ्य विभाग का अमला ज्वाइंट सैंपलिंग और सर्वे की ओर अग्रसर हुआ है। स्वच्छता के क्षेत्र में लोहा मनवाने वाले नगर निगम अंबिकापुर क्षेत्र में जल सप्लाई का ऐसा हाल बेहद चिंताजनक है, जिसे समय रहते दुरुस्त करने की जरूरत है।

वार्ड के लोगों ने कहा-आता था मटमैला, बदबूदार पानी

दिसम्बर 2025 से जनवरी 2026 के बीच पीलिया से ग्रसित बच्चों के स्वजन निसार अहमद, बेलाल खान, मो. शमशाद ने कहा कि कई बार मटमैला पानी सप्लाई में आता था, और महक ऐसी रहती थी कि उबकाई आ जाए। मजबूरी में वे उसी पानी का उपयोग कर रहे थे। हालांकि इनके द्वारा स्वीकार किया गया कि वर्तमान में पानी साफ आ रहा है। बेलाल खान ने कहा कि उनके यहां बारहों महीने उबाला हुआ पानी ही पीने के लिए उपयोग किया जाता है। फ्रिज के पानी का उपयोग वे गरमी के समय भी नहीं करते हैं, और न ही परिवार के सदस्य ऐसे पानी का उपयोग पीने के लिए करते हैं। इसके बाद भी उनके परिवार से बच्चे को पीलिया हुआ, जिसका उन्होंने समुचित उपचार निजी अस्पताल में कराया था। मो. आवेश 5 वर्ष, मो. अली 10 वर्ष, मो. फैयान खान 12 वर्ष सहित कई बच्चे दिसम्बर से जनवरी माह के बीच पीलिया से ग्रसित हुए थे, जो इलाज के बाद स्वस्थ हैं। बेलाल ने कहा कि वर्तमान में वे पानी का जार लेते हैं, और उसी पानी का उपयोग पीने में पूरे परिवार के लोग करते हैं।

तकनीकी ऑडिट करके जिम्मेदारी तय किया जाए

मोमिनपुरा क्षेत्र के वार्डों में पीलिया के मरीज सामने आने और पेयजल जांच में ई-कोलाई बैक्टीरिया की पुष्टि के बाद नेता प्रतिपक्ष शफ़ी अहमद ने कलेक्टर से इसे जनस्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर विषय मानते हुए तत्काल समन्वित कार्रवाई करने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि यह केवल एक क्षेत्र का मामला नहीं, बल्कि पूरे शहर की पेयजल सुरक्षा से जुड़ा प्रश्न है। यदि समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए गए तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से पारदर्शिता के साथ नियमित मॉनीटरिंग रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की। उन्होंने कहा कि हाल ही में इंदौर में दूषित पेयजल के कारण फैली बीमारी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि लापरवाही कितनी महंगी पड़ सकती है। अंबिकापुर में ऐसी पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए अभी से सख्त और ठोस कदम उठाना आवश्यक है। उन्होंने मोमिनपुरा, नवागढ़, रसूलपुर, जरहागढ़ और श्रीगढ़ क्षेत्रों में घर-घर सर्वे कर संदिग्ध मरीजों की पहचान कर उपचार सुनिश्चित करने, नगर निगम और पीएचई विभाग संयुक्त रूप से व्यापक जल सैंपलिंग अभियान चलाने, जलापूर्ति तंत्र की तकनीकी ऑडिट कर जिम्मेदारी तय करने का आग्रह किया है।

लीकेज की समस्या से कराया गया है अवगत-पार्षद

पार्षद हसन का कहना है कि मोमिनपुरा, नवागढ़ इलाके में कई जगह पेयजल सप्लाई का पाइप लाइन क्षतिग्रस्म हो गया है, इनमें गंदा पानी जाने से स्वास्थ्यगत खतरे की स्थिति बन रही है। उन्होंने बताया कि शहीद अब्दुल हमीद चौक, आरजू होटल के पीछे, नूरानी मस्जिद के पास जैसे क्षेत्रों में पानी के पाइप लाइन से लीकेज की मौखिक जानकारी उन्होंने निगम के जल प्रदाय शाखा के जिम्मेदारों को दी थी, लेकिन वे भी बीमारी के फैलने का इंतजार कर रहे थे। डेढ़ माह पूर्व दी गई जानकारी के बाद भी किसी प्रकार की पहल नहीं होने से ऐसे हालात सामने आए हैं।

फ्रंटलाइन खबर

जिले के 83 हल्का पटवारियों का स्थानांतरण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने प्रशासनिक कार्यों में दक्षता, पारदर्शिता एवं लोकहित को दृष्टिगत रखते हुए लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ 83 हल्का पटवारियों का स्थानांतरण आदेश जारी किया है।

जारी आदेश दिनांक 21 फरवरी 2026 के अनुसार उक्त स्थानांतरण छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता एवं छत्तीसगढ़ भू-अभिलेख नियमावली (भाग-1) के नियम 7(2) तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग, मंत्रालय नवा रायपुर के पत्र क्रमांक एफ-2-48/सात-2/2014, दिनांक 12 सितम्बर 2014 में उल्लेखित राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड-5-क्रमांक-1 की कंडिका-16 के प्रावधानों के तहत किए गए हैं। आदेश के तहत संबंधित पटवारियों को आगामी आदेश पर्यंत पदस्थ किया गया है। कलेक्टर ने निर्देशित किया है कि सभी स्थानांतरित पटवारी तत्काल प्रभाव से नवीन पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण करना सुनिश्चित करें, जिससे राजस्व संबंधी कार्यों का सुचारू संचालन एवं आमजनों को त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराई जा सके।

माता-पिता के साथ सो रही बच्ची की हुई मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। माता-पिता के साथ सो रही मासूम बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने संदेह निवारण के लिए बच्ची के शव का पोस्टमार्टम कराया है। संभावना ठंड से मौत की बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक मध्य प्रदेश के सागर जिला अंतर्गत परसोकिया की सुमन जैन करीब 15 दिन पूर्व अपने मायका जोड़ा तालाब अंबिकापुर आई थी। 19 फरवरी को उसका पति पंकज जैन भी अलसुबह करीब 4 बजे अपने ससुराल पहुंचा था, तो बच्ची अपनी मां के साथ सो रही थी, और सब कुछ ठीक-ठाक था। 20 को बच्ची अपने माता-पिता के साथ बीच में सो रही थी। सुबह 4 बजे तक बच्ची की स्थिति सामान्य थी। इसके बाद नींद खुली तो बच्ची का सांस नहीं चल रहा था। आननफानन में वे बच्ची को मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर के आपातकालीन चिकित्सा परिसर में लेकर पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

आधी रात को पत्नी, साली और मासूम बच्ची पर हथौड़ा से जानलेवा हमला

पुलिस ने घटना के बाद भागे आरोपी को सनावल थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सरहरी में साले की शादी में ससुराल आए एक युवक ने आधी रात को पत्नी, साली और उसकी मासूम बेटी पर हथौड़े से जानलेवा हमला कर दिया। घटना में पत्नी की मौत हो गई, जबकि साली की हालत गंभीर है। मासूम बच्ची का इलाज जारी है। पुलिस ने आरोपी को सनावल थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, यशोदा कुशवाहा (35) पति गणेश कुशवाहा, निवासी ग्राम रेवटी थाना चंदौरा, अपने भाई सुरेश की शादी में पति और बेटी के साथ ग्राम सरहरी आई थी। 20 फरवरी को बारात लौटने के बाद अधिकांश रिश्तेदार चले गए थे, यशोदा अपने पति व बेटी के साथ रुक गई थी। रात करीब 2 बजे गणेश कुशवाहा उठा और कमरे में सो रही पत्नी यशोदा के सिर पर हथौड़े से हमला कर दिया। इसके बाद वह दूसरे कमरे में गया और वहां सो रही साली गंगोत्री और उसकी बेटी पिंकी पर भी वार कर दिया। अचानक हुई इस घटना से घर में चीख-पुकार मच गई। परिजन जब कमरे में पहुंचे तो तीनों गंभीर हालत में खून से लथपथ पड़े थे। इन्हें प्रतापपुर अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को अंबिकापुर रेफर कर दिया गया। स्वजन तीनों को अंबिकापुर स्थित होलीक्रॉस अस्पताल लेकर पहुंचे, यहां जांच के बाद डॉक्टरों ने यशोदा को मृत घोषित कर दिया। गंगोत्री की हालत गंभीर होने पर उसे रायपुर रेफर किया गया है। मासूम पिंकी का इलाज होलीक्रॉस अस्पताल में चल रहा है। वारदात के बाद आरोपी गणेश कुशवाहा फरार हो गया था। घटना की सूचना मिलते ही प्रतापपुर पुलिस सक्रिय हुई और आरोपी को बलरामपुर जिले के सनावल थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है, और घरेलू विवाद की आशंका जताई जा रही है।

मतदाताओं का दुर्भावनापूर्ण नाम कटवाने का प्रयास हुआ विफल

अंतिम मतदाता सूची सामने आने के बाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने की पत्रकारों से चर्चा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया उपरांत शनिवार को जारी अंतिम मतदाता सूची के सामने आने के बाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि फार्म-7 के माध्यम से भाजपा ने मतदाताओं के जिन नामों को काटने का दुर्भावनापूर्ण प्रयास किया, वो विफल हो गया है। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि फार्म-7 के माध्यम से दुर्भावनापूर्ण तरीके से वैध मतदाताओं के नाम कटवाने का प्रयास करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं पर जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 31 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 212 एवं अन्य सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत कार्रवाई की जाए।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने कहा कि मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया के दौरान भाजपा के कार्यकर्ताओं ने संगठित रुप से जिले के हजारों वैध मतदाताओं के नाम को कटवाने के लिए फार्म 7 के अन्तर्गत आवेदन दिया था। इसे लेकर लगातार कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक के साथ ही निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद के नेतृत्व में प्रशासन से मिलकर भाजपा के इस संगठित और अवैध प्रयास के विरोध में साक्ष्य सहित अपना आवेदन दिया था।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने प्रेसवार्ता में आरोप लगाया कि एसआइआर की पूरी प्रक्रिया का उपयोग कर भाजपा अपने मनमुताबिक मतदाता सूची को तैयार करने के प्रयास में थी। इसके तहत भाजपा ने ऐसे मतदान केन्द्रों को चुनकर जहां कांग्रेस को लीड मिलती थी, वहां के कांग्रेस समर्थक मतदाताओं का नाम कटवाने का प्रयास किया, लेकिन कांग्रेस पार्टी के सक्रिय बीएलए, मंडल अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष एवं अन्य कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास के फलस्वरुप भाजपा का यह प्रयास सफल नहीं हुआ। बालकृष्ण पाठक ने कहा कि एसआइआर में पार्टी की सक्रियता का श्रेय पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव को जाता है, जिन्होंने पूरे जिले के कार्यकर्ताओं के साथ 6 बार समीक्षा बैठक कर उन्हें हर चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया। इस दौरान मो. इस्लाम, इरफान सिद्दीकी, इंद्रजीत सिंह धंजल, दुर्गेश गुप्ता, अतुल तिवारी, जमील खान, रशीद अहमद, नरेन्द्र विश्वकर्मा आशीष जायसवाल उपस्थित थे।

जिले में 72000 मतदाताओं की संख्या में गिरावट

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने कहा है कि जनवरी 2025 की तुलना में जारी मतदाता सूची के अनुसार जिलेभर में लगभग 72000 मतदाताओं की संख्या में गिरावट आई है। निर्वाचन विभाग के अनुसार मतदाताओं के स्थानांतरित होने, मृत्यु होने या अनुपस्थित होने के कारण इसमें यह गिरावट आई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मतदान केन्द्रों के अनुसार इसकी जांच प्रारंभ करेगी। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव ने कहा भाजपा ने जिन वैध मतदाताओं के नाम को कटवाने के लिए फार्म-7 दिए थे, उनका नाम मतदाता सूची में यथावत रहना प्रथम दृष्टया दर्शाता है कि फार्म-7 दुर्भावनापूर्ण तरीके से दिए गए थे। इस संगठित प्रयास को लेकर या तो प्रशासन कार्रवाई करे अन्यथा पार्टी का लीगल सेल इस मामले में न्यायालय जाएगा। उन्होंने कहा कि पूरे देश में ऐसे उदाहरण मौजूद हैं कि, भाजपा लगातार ऐसी प्रवृत्ति अपनाकर मतदाता सूचियों में गड़बड़ी कर चुनाव जीत रही है, लेकिन वे सरगुजा में पकड़े गए हैं, और हम इस मामले को कानूनी रास्ते पर ले जाएंगे।

एआई समिट में नग्न प्रदर्शन कांग्रेस की भारत को अपमानित करने की सोची-समझी साजिश

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा-कांग्रेस के काम का तरीका भारत के दुश्मनों के हितों को पूरा करने वाला

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने नई दिल्ली में आहूत एआई समिट के दौरान शुक्रवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए नग्न प्रदर्शन को भारत को अपमानित करने की एक सोची-समझी साजिश बताते हुए कहा है कि राहुल गांधी राजनीति के निचले स्तर पर गिर गए हैं, जहां उन्होंने कथित तौर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को राजनीतिक पोस्टर लेकर दुनिया के सबसे बड़े 'एआई इम्पैक्ट समिट' में निर्वस्त्र होने का निर्देश दिया। यह प्रदर्शन कांग्रेस के घोर पतन, निर्लज्जता और मानसिक दीवालिएपन का परिचायक है।

उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के उकसावे पर की गई यह घिनौनी हरकत कांग्रेस पार्टी के पूर्ण वैचारिक पतन को उजागर करती है। एक तरफ जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत नवाचार, प्रगति और राष्ट्र निर्माण के लिए खड़ा है, दूसरी ओर राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस केवल व्यवधान, बाधा और नकारात्मकता का प्रतीक बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह स्पष्ट है कि कांग्रेस ने 'एआई इम्पैक्ट समिट' को बदनाम करने की साजिश बहुत पहले ही रच ली थी। राहुल गांधी के इशारे पर लोगों को इकट्ठा किया गया, उन्हें शिखर सम्मेलन के लिए पंजीकृत कराया और फिर इस अपमानजनक कृत्य के लिए उकसाया गया। राजेश अग्रवाल ने कहा है कि तकनीक के विकास के मामले में दुनिया भारत का लोहा मान रही है लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस ने देश की छवि को नुकसान पहुंचाने का रास्ता चुना और पूरी दुनिया के सामने भारत को शर्मिंदा करने की सक्रिय कोशिश की है। एकमात्र कारण यह है कि राहुल गांधी भारत को वैश्विक मंच पर आगे बढ़ते हुए नहीं देख सकते। राहुल गांधी के नेतृत्व वाली वर्तमान कांग्रेस उन तरीकों से काम करती दिख रही है। आज भारत जी-20 और एआई समिट जैसे वैश्विक सम्मेलनों की मेजबानी कर रहा है। यह ऐसा बदलाव है, जिसे कांग्रेस स्वीकार नहीं कर पा रही है।

सरगुजा की बेटी दीपशिखा का एनएफआर गुवाहाटी रेलवे में चयन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा जिले की प्रतिभाशाली बास्केटबॉल खिलाड़ी दीपशिखा एक्का ने अपने उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन के दम पर एनएफआर (उत्तर सीमांत रेलवे) गुवाहाटी, असम में नौकरी प्राप्त कर जिले एवं छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से पूरे सरगुजा जिले और सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ में हर्ष का माहौल है।

राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि दीपशिखा एक्का दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम सखौली की निवासी हैं। इनमें बचपन से ही खेल प्रति लगन था। वर्ष 2015 में, जब वह कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में कक्षा 7वीं की छात्रा थी, तब सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ द्वारा आयोजित टैलेंट सर्च प्रोग्राम के तहत प्रतिभा को पहचानते हुए बास्केटबॉल खेल के लिए उनका चयन किया गया, साथ ही बास्केटबॉल खेल का प्रारंभिक ट्रेनिंग कराया गया। इसके पश्चात सरगुजा जिला

बास्केटबाल संघ के द्वारा स्पेशल ग्रुप ट्रायल कराया गया, और साईं अकादमी, राजनांदगांव के लिए चयन हुआ। यहां आवासीय पढ़ाई के साथ एडवांस बास्केटबॉल ट्रेनिंग अंतर्राष्ट्रीय कोच राजेश्वर राव के देखरेख में उन्होंने प्राप्त किया। कठोर प्रशिक्षण के बीच दीपशिखा राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न बास्केटबॉल प्रतियोगिताओं में भाग ली और कई पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर इन्हें नॉर्थ फ्रंटियर रेलवे (एनएफआर) गुवाहाटी, असम में नियुक्ति प्राप्त हुई। दीपशिखा की यह सफलता न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे सरगुजा जिले और सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचना और रेलवे में चयनित होना यह दर्शाता है कि सरगुजा की बेटियां खेल के क्षेत्र में लगातार नई ऊंचाइयां छू रही हैं। उपलब्धि के इस सफर में सरगुजा के राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह का बड़ा मार्गदर्शन व स्वयं की मेहनत ने दीपशिखा को राष्ट्रीय मंच प्रदान कराया। सरगुजा जिला बास्केटबाल संघ के तत्वावधान में टैलेंट सर्च प्रोग्राम के तहत इसे बड़ी सफलता माना जा रहा है। सरगुजा जिला बास्केटबॉल संघ के अध्यक्ष व पदाधिकारियों एवं प्रशिक्षकों ने दीपशिखा एक्का को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि आने वाली युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण संपन्न

★ जिले में (एसआईआर) के बाद अंतिम प्रकाशन में 5,35,989 मतदाता पंजीकृत ★ मतदाता सूची के प्रारूप (ड्राफ्ट) प्रकाशन के बाद 4350 मतदाताओं की हुई शुद्ध वृद्धि ★ विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान नागरिकों से प्राप्त नवीनतम फोटोग्राफ भी अंतिम मतदाता सूची में की गई प्रकाशित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के आधार पर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संपन्न किया गया चार महीने तक चले निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन दिनांक 21 फरवरी 2026 को प्रकाशित की गई, जिसमें कुल-5,35,989 मतदाता पंजीकृत है। मतदाता सूची के प्रारूप (ड्राफ्ट) प्रकाशन के बाद 4350 मतदाताओं की वृद्धि हुई (शुद्ध वृद्धि)। 772 बीएलओ ने घर-घर जाकर गणना प्रपत्र वितरित किए और 5,73,571 मतदाताओं के मिलान और मैपिंग का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के दौरान नागरिकों से प्राप्त नवीनतम फोटोग्राफ भी अंतिम मतदाता सूची में प्रकाशित की गई।

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वावन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान शुरू किया गया। राज्य भर में 27 अक्टूबर 2025 से शुरू हुए और चार महीने तक लगातार चले एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) अभियान के विभिन्न चरणों के प्रभावी संचालन के बाद आज 21 फरवरी 2026 को निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन किया गया है। मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने या मतदाता सूची से अपना नाम हटवाने से संबंधित दावे और आपत्तियां 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 के बीच प्रस्तुत किए गए थे। प्राप्त दावे/आपत्तियों का निराकरण 14 फरवरी 2026 तक किया गया। अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के अवसर पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेन्द्र कटारा के द्वारा जिला के सभी नागरिकों को इस अभियान में अभूतपूर्व सहयोग देने के लिए आभार व्यक्त किया गया।

निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के लिए 02 मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ), 11 सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (एईआरओ), 772 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) और 1200 बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) सहित कई स्वयं सेवकों की सक्रिय भागीदारी रही है। साथ ही जिले के मतदाताओं एवं मीडिया, राजनीतिक दलों और अन्य संगठनों का भी सहयोग प्राप्त हुआ।

प्रमुख आंकड़े और उपलब्धियां

डिजिटलीकरण- कुल 5,73,571 मतदाताओं में से 5,31,639 मतदाताओं से गणना फॉर्म प्राप्त हुए, जिनका पूर्ण रूप से डिजिटलीकरण किया गया। घर-घर सर्वे-बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) द्वारा निरंतर घर-घर जाकर सर्वे किया गया, जिसमें मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित और दो स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं की पहचान की गई।

मतदाताओं की संख्या में बदलाव

प्रारूप (ड्राफ्ट) सूची से पहले 5,73,571 मतदाता। प्रारूप (ड्राफ्ट) सूची के प्रकाशन के बाद 5,31,639 मतदाता। अंतिम मतदाता सूची 5,35,984 मतदाता। शुद्ध वृद्धि, प्रारूप (ड्राफ्ट) सूची के प्रकाशन के बाद अंतिम सूची में 4,350 मतदाताओं की वृद्धि हुई है।

प्रक्रिया और पारदर्शिता

एसआईआर की घोषणा के बाद से ही जिले में 5,73,571 मतदाताओं को गणना फॉर्म के वितरण से लेकर उनके डिजिटलीकरण का कार्य मिशन मोड पर किया गया। इस दौरान जो गणना फॉर्म मृत मतदाता, स्थायी स्थानांतरण या अनुपस्थिति के कारण वापस नही मिले, उनकी पुष्टि के लिए बूथ लेवल अधिकारियों और राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के बीच बैठकें आयोजित की गई। जिले में इन बैठकों के अंत में, जिन मतदाताओं के गणना फॉर्म वापस नहीं आए, उनकी सूची विधानसभा क्षेत्रवार जिला निर्वाचन अधिकारी जिला बलरामपुर-रामानुजगंज की वेबसाइट balrampur.gov.in और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ की वेबसाइट https://ceochhattisgarh.nic.in पर प्रकाशित की गई थी।

चार महीने तक चली निरंतर प्रक्रिया के बाद, 01 जनवरी 2026 की अर्हता तिथि के आधार पर आज 21 फरवरी 2026 को जिला बलरामपुर-रामानुजगंज के सभी मतदान केंद्रों सहित प्रत्येक निर्धारित स्थानों पर अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित कर दी गई है।

निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन जिला निर्वाचन अधिकारी जिला बलरामपुर-रामानुजगंज की वेबसाइट ड्डड्डद्यह्ड्डद्बश्चह्वह्ल.द्दश1.द्बठ्ठ और मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़ की वेबसाइट https://ceochhattisgarh.nic.in पर भी उपलब्ध है, जहाँ मतदाता अपने विवरण की जाँच कर सकते हैं।

इस प्रक्रिया की मुख्य बातें निम्नलिखित हैं

जिले में सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अंतिम मतदाता सूची की दो प्रतियां (1) फोटोयुक्त प्रिंटेड और 1 फोटोरहित सॉफ्ट कॉपी) नि:शुल्क साझा की गई। फोटोग्राफ अपडेट- विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के दौरान नागरिकों से प्राप्त नवीनतम फोटोग्राफ भी अंतिम मतदाता सूची में प्रकाशित की गई।

मतदाता सूची में विधानसभावार हुए बदलावों का विवरण

जिला बलरामपुर-रामानुजगंज में विधानसभावार अंतिम मतदाता सूची के आंकड़े। जिसके अंतर्गत 2026 के मतदाता मसौदा सूची अंतर्गत विधानसभा प्रतापपुर-06 (आंशिक) में 1,23,840 मतदाता। 1406 जोड़े गये, 107 विलोपित किए गये, 1299 शुद्ध जोड़ गये, जो कि शुद्ध परिवर्तन का 1.04 प्रतिशत है। इस प्रकार अंतिम मतदाता सूची 2026 में 117649 मतदाता है। इसी प्रकार विधानसभा रामानुजगंज -07 में 226527 मतदाता। 2129 जोड़े गये, 687 विलोपित किए गये, 1442 शुद्ध जोड़ गये, जो कि शुद्ध परिवर्तन का 0.64 प्रतिशत है। इस प्रकार अंतिम मतदाता सूची 2026 में 208865 मतदाता है। इसी प्रकार विधानसभा सामरी-08 में 223204 मतदाता। 1916 जोड़े गये, 307 विलोपित किए गये, 6609 शुद्ध जोड़ गये, जो कि शुद्ध परिवर्तन का 0.72 प्रतिशत है। इस प्रकार अंतिम मतदाता सूची 2026 में 209475 मतदाता है।

इस प्रकार कुल 2026 के मतदाता मसौदा सूची अंतर्गत तीनों विधानसभा क्षेत्रों में 573571 मतदाता। 5451 जोड़े गये, 1101 विलोपित किए गये, 4350 शुद्ध जोड़ गये, जो कि शुद्ध परिवर्तन का 0.75 प्रतिशत है। इस प्रकार अंतिम मतदाता सूची 2026 में 535989 मतदाता है।

इस प्रकार 01 जनवरी 2026 की पात्रता तिथि तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा भी प्रपत्र संख्या-6 भरकर भविष्य में प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। भविष्य में समय-समय पर होने वाले आवश्यक संशोधनों के अनुसार, नागरिक प्रपत्र संख्या 6, 7 और 8 भी भर सकेंगे। एसआईआर के दौरान आगामी अर्हता तिथि 01/10/2026 के संदर्भ में भावी मतदाताओं से आवेदन प्रपत्र-6 में प्राप्त किया गया है। सभी मतदाता अंतिम मतदाता सूची में (अंतिम प्रकाशित) अपना नाम वेबसाइट https:// ceochhattisgarh.nic.in वोटर पोर्टल https:// voters.eci.gov.in] ECINE-TAPP, बीएलओ के माध्यम से, जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय /ईआरओ/ एईआरओ कार्यालय से जांच सकते है।

महत्वपूर्ण निर्देश

यदि आपका नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, तो नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म-6 भरकर, उसके साथ घोषणा पत्र (डिक्लेरेशन) और आवश्यक सहायक दस्तावेज़ संलग्न कर ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। अंतिम मतदाता सूची में दी गई जानकारी में कोई त्रुटि एवं स्थानातंरण हेतु फॉर्म-8 भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ ऑनलाइन या ऑफलाइन सुधार के लिए आवेदन किया जा सकता है।

किसी भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में छूट न जाए तथा कोई किसी अपात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो इस उद्देश्य के साथ भारत निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची की शुद्धता, आधुनिकता और समावेशिता के लिए चलाए गए इस निर्वाचक नामावलियों का इस विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को सफल बनाने में निर्वाचन प्रणाली के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, बूथ लेवल अधिकारियों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों का कार्य सराहनीय रहा है।

07 मार्च 2026 से पूर्व जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष कर सकते हैं अपील

उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बताया गया है कि भारत निर्वाचन आयोग एवं कार्यालय मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के निर्देशानुसार ऐसे मामलों में जहां निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी स्ह स्ह्रझ्ह के आधार पर पात्रता की गहन जांच करने और सुनवाई का पर्याप्त अवसर देने के बाद ड्राफ्ट निर्वाचक नामावली में प्रस्तावित निर्वाचक को एक निर्वाचक के रूप में नामांकित होने के लिए अयोग्य पाते हैं, ऐसे मामले में अंतिम निर्वाचक नामावली में शामिल न हो। ऐसे निर्वाचकों के पास ईआरओ के निर्णय के 15 दिनों के भीतर जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रथम अपील दायर करने का अधिकार होगा। इसी क्रम में द्वितीय अपील प्रथम अपीलीय अधिकारी के निर्णय के 30 दिनों के भीतर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ के समक्ष की जा सकती है।

फूल तोड़ने गईं दो महिलाएं हादसे का शिकार, पोल्ट्रीफार्म का जर्जर अहाता भर भराकर गिरा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर पंचायत शिवनंदनपुर के शांतिनगर में शनिवार की सुबह उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब फूल तोड़ने के दौरान एक पोल्ट्रीफार्म का पुराना अहाता अचानक भर भराकर गिर पड़ा। हादसे में दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें तत्काल अंबिकापुर के निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। गौरतलब है कि नगर पंचायत शिवंदनपुर शांतिनगर निवासी तारावती देवी पति प्रेमचंद केशरवानी शनिवार सुबह करीब साढ़े 6 बजे विद्या देवी व अन्य महिलाओं के साथ रोज की तरह टहलने निकली थीं। सैर के दौरान वे माइनस कॉलोनी निवासी उपेंद्र सिंह के अजीत पोल्ट्रीफार्म के पास पहुंचीं थीं। बताया जा रहा है कि महिलाएं वहां लगे फूलों को तोड़ रही थीं, तभी अचानक पोल्ट्रीफार्म का पुराना अहाता गिर पड़ा। दीवार के मलबे की चपेट में आने से तारावती देवी का एक पैर फ्रैक्चर हो गया है और विद्या देवी के माथे पर गंभीर चोट आई है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दीवार गिरते ही मौके पर चीख-पुकार मच गई।

आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत दोनों महिलाओं को मलबे से बाहर निकाल परिजनों को सूचना दी गई, जिसके बाद दोनों को तत्काल अंबिकापुर के अलग-अलग निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया।

स्थानीय लोगों का कहना है कि उक्त अहाता काफी पुराना और जर्जर हो चुका था। दीवार के पास से लगातार नाली का पानी बहता रहता था, जिससे उसकी नींव कमजोर हो गई थी। आशंका जताई जा रही है कि इसी कारण दीवार अचानक ढह गई।

स्थानीय लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि जर्जर संरचनाओं का सर्वे कर आवश्यक कार्रवाई की जाए, ताकि किसी बड़ी अनहोनी से बचा जा सके।

औचक निरीक्षण में गायत्री खदान के बाहर बड़ी मात्रा में कोयला बरामद

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की गायत्री, आमगांव और अमेरा खदानों से हो रही कोयला चोरी पर प्रबंधन की सख्ती के बावजूद अंकुश नहीं लग पा रहा है।

शनिवार तड़के क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी अमरेंद्र नारायण अपनी टीम के साथ गायत्री खदान पहुंचे, जहां औचक निरीक्षण के दौरान बड़ी मात्रा में चोरी का कोयला बरामद किया गया। यहां सुरक्षा टीम ने पाया कि कई लोग कोल स्टॉक से कोयला बोरियों में भरकर बाइक, साइकिल और कंधे पर ढोकर ले जा रहे थे। टीम के जवानों ने घेराबंदी कर जब उन्हें पकड़ने का प्रयास किया तो अधिकांश लोग साइकिल और कोयले की बोरियां छोड़कर मौके से फरार हो गए। इसके बाद सुरक्षा अधिकारी ने खदान के मजदूरों को बुलवाकर जब्त करीब 40 बोरी कोयले को लोडर के माध्यम से वापस स्टॉक में रखवाया। ज्ञात हो कि चार दिन पहले आमगांव खदान में क्षेत्रीय महाप्रबंधक ने स्वयं मौके पर पहुंचकर कोयला चोरों को पकड़कर कड़ी हिदायत दी थी। इसके अगले ही दिन आधा दर्जन कोयला चोरों और 10 बाइक को पकड़कर रामानुजनगर पुलिस के हवाले किया गया था। बावजूद इसके कोयला चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है।गायत्री खदान के मैनेजर जेडी सिंह ने बताया कि खदान से लगातार हो रही कोयला चोरी की शिकायत वीडियो फुटेज के साथ कोतवाली पुलिस को दी जा रही है, लेकिन पुलिस एफआईआर दर्ज नहीं कर रही है। उनका आरोप है कि पुलिस नामजद शिकायत की मांग करती है, अन्यथा आवेदन वापस ले जाने को कहती है। पुलिस के इस रवैए से प्रबंधन हैरान और परेशान है।

प्रबंधन का कहना है कि पुलिस का अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने से कोयला चोरी पर प्रभावी नियंत्रण संभव नहीं हो पा रहा है। सूत्रों के अनुसार एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की अमेरा, आमगांव और गायत्री खदानों से प्रतिदिन लगभग 150 से 200 टन उत्पादित कोयले की चोरी हो रही है। इससे न केवल कंपनी को नुकसान हो रहा है, बल्कि राज्य शासन को भी प्रतिदिन लाखों रुपए की रॉयल्टी का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

सरगुजा में दलित प्रतिनिधित्व की मांग तेज, राज्यसभा में जगह दिलाने की उठी आवाज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सरगुजा संभाग में अनुसूचित जाति वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की मांग अब खुलकर सामने आने लगी है। सरगुजा संभाग से जुड़े अनुसूचित जाति वर्ग के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व खाद्य आयोग सदस्य अशोक कुमार सोनवानी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में वर्तमान में 10 विधानसभा और 1 लोकसभा सीट अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित हैं, जिनमें अधिकांश सीटों पर सतनामी समाज का प्रतिनिधित्व है और राज्य सरकार में इस वर्ग से दो कैबिनेट मंत्री भी हैं, लेकिन सरगुजा संभाग की स्थिति अलग है। सरगुजा संभाग में 14 विधानसभा और 3 लोकसभा क्षेत्र होने के बावजूद अनुसूचित जाति वर्ग के लिए एक भी सीट आरक्षित नहीं है। सोनवानी ने कहा कि संभाग में अनुसूचित जाति वर्ग की लगभग 8.7 प्रतिशत आबादी है, जिसमें 6.9 प्रतिशत केवल रविदासिया समाज का हिस्सा है। इसके बावजूद यहां से किसी भी दलित प्रतिनिधि का विधानसभा या लोकसभा में न होना समाज के लिए चिंता

का विषय है। सोनवानी ने कहा कि वे पिछले 27 वर्षों से भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के माध्यम से सरगुजा संभाग के सभी जिलों में सक्रिय रहे हैं। सामाजिक और राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका निभाते हुए उन्होंने समाज की मांग और पीड़ा को करीब से समझा है। उनका मानना है कि संभाग से किसी योग्य दलित नेता को राज्यसभा में भेजा जाना चाहिए, ताकि क्षेत्र के दलित समाज की आवाज राष्ट्रीय स्तर पर बुलंद हो सके। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि सरगुजा संभाग की सीमाएं मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश से सटी हुई हैं। यहां सामाजिक और वैवाहिक संबंध भी जुड़े हुए हैं। ऐसे में यदि सरगुजा से दलित प्रतिनिधि राज्यसभा में जाता है तो उसका प्रभाव सीमावर्ती जिलों तक भी दिखाई देगा। सोनवानी के अनुसार अनुसूचित जाति वर्ग के लोग पत्राचार के माध्यम से भी संगठन तक अपनी प्रतिनिधित्व की मांग पहुंचा रहे हैं। समाज को पूर्ण विश्वास है कि सरकार दलित समाज की भावनाओं को समझते हुए राज्यसभा में प्रतिनिधि मनोनीत करेगी। जिला पंचायत प्रतिनिधि लखनलाल कुर्रे ने भी इस मुद्दे पर कहा कि सरगुजा संभाग में गैर सतनामी दलित समाज की प्रभावी उपस्थिति है। 14 विधानसभा और 3 लोकसभा क्षेत्रों में दलित समाज लगभग 3 प्रतिशत वोट शेयर बढ़ाने की क्षमता रखता है, जो चुनावी समीकरणों में निर्णायक साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में सभी समाजों को सम्मान दिया गया है, लेकिन सरगुजा संभाग के अनुसूचित जाति वर्ग को अब तक राजनीतिक प्रतिनिधित्व देकर सम्मानित नहीं किया गया। यदि इस बार भी प्रतिनिधित्व नहीं मिलता है तो दलित समाज का मोहभंग हो सकता है। सरगुजा संभाग में दलित प्रतिनिधित्व को लेकर उठी यह मांग अब राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन चुकी है। समाज के नेताओं का कहना है कि यदि राज्यसभा में संभाग से अनुसूचित जाति वर्ग के प्रतिनिधि को स्थान मिलता है, तो यह न केवल सामाजिक संतुलन बल्कि राजनीतिक संदेश के लिहाज से भी महत्वपूर्ण कदम होगा।

बस्तामुक्त विद्यालय रुनियाडीह में बाल कैबिनेट की हुई बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रथम बस्तामुक्त शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रुनियाडीह में बाल कैबिनेट की बैठक संस्था की सरपंच टिकेश्वरी सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में रुनियाडीह सरपंच सुमित्रा सिंह, इजरायल खान, संस्था के एसएमसी अध्यक्ष श्रीमती एनवति राजवाड़े, उपाध्यक्ष गुड्डी बाई विश्वकर्मा तथा बाल कैबिनेट के प्रधानमंत्री निशु राजवाड़े, उप प्रधानमंत्री अभिषेक विश्वकर्मा, अध्यक्ष यूथ एवं इको क्लब निर्जला सिंह, पुस्तकालय मंत्री शिवम विश्वकर्मा, खेल मंत्री दुर्गा सिंह, अनुशासन मंत्री टिकेश्वरी राजवाड़े, बागवानी मंत्री पायल राजवाड़े, सांस्कृतिक मंत्री रूपा सिंह, शिक्षा मंत्री दिव्या राजवाड़े, स्वच्छता मंत्री संध्या सिंह, पेयजल मंत्री रोशनी सिंह, प्रधान पाठक सीमांचल त्रिपाठी, पदस्थ शिक्षक रिजवान अंसारी, एम. टोप्पो, पूनम गुप्ता, मुकुटमणी राजवाड़े,

कमला प्रसाद, कौशिल्या, जानकी राजवाड़े, तपन, एमडीएम सहायिका सुमित्रा राजवाड़े, नान दईया, देवचंद, भुनेश्वरी राजवाड़े, रुकमणी, मानमती जायसवाल सहित पालक उपस्थित रहे। संस्था प्रमुख सीमांचल त्रिपाठी द्वारा आगामी 17 मार्च से केंद्रीकृत आठवीं कक्षा की परीक्षा आयोजित होने की जानकारी देकर सोमवार से मॉडल टेस्ट होने की जानकारी, बच्चों को प्रतिदिन शाम के समय पढ़ने हेतु बैठाने, उपस्थित पालकों को प्रेरित किया गया। बैठक में बच्चों द्वारा संस्था की मुख्य भवन तथा शौचालय मरम्मत, हेडपंप के मोटर को सुधारने, कबड्डी हेतु इंडोर हॉल निर्माण की मांग, सफाई हेतु फिनाईल एवं साबुन, 10 नग गमला व सांस्कृतिक कार्यक्रम हेतु 10 नग साड़ी व 30 नग ब्लाउज की मांग की गई। बाल कैबिनेट की बैठक कार्यवाही को देखकर सरपंच सहित उपस्थित समस्त पालकों ने बच्चों के नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

राशन वितरण नहीं होने से आक्रोशित ग्रामीणों ने उचित मूल्य दुकान में जड़ा ताला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर। सरगुजा जिले के लुण्ड्रा विधानसभा लखनपुर विकासखंड के ग्राम कटिंदा शासकीय उचित मूल्य दुकान में दो माह का राशन वितरण नहीं होने से आक्रोषित ग्रामीणों ने उचित मूल्य दुकान में ताला जड़ दिया और प्रदर्शन करने लगे। ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से राशन वितरण कराया जाने की मांग है। ग्रामीणों का आरोप है शासकीय उचित मूल्य दुकान संचालक गणेश स्वयं सहायता समूह के नाम सरपंचपति कुदरत बहाल सिंह के द्वारा कई वर्षों से संचालित किया जा रहा है।

विगत 1 वर्ष से राशन वितरण में गड़बड़ी किया जा रहा है। कई महीनो से घर-घर जाकर हितग्राहियों से मशीन में फिंगर लगवा कर राशन का वितरण नहीं किया जा रहा है। विगत दिनों पूर्व राशन वितरण नहीं किए जाने की शिकायत सरगुजा कलेक्टर से की गई थी। जांच के लिए खाद्य निरीक्षक गांव पहुंचे हुए थे 20 फरवरी तक दो माह का राशन ग्रामीणों को राशन वितरण किए जाने का आश्वासन दिया गया था। परंतु दुकान संचालक के द्वारा ग्रामीणों को फिंगर लगवा कर आधा अधूरा राशन का वितरण किया जा रहा था। 21 फरवरी दिन शनिवार को फिंगर लगवाए जाने के बाद राशन वितरण नहीं करने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने दुकान में ताला जड़ दिया और विरोध प्रदर्शन कर शासन प्रशासन से राशन वितरण कराए जाने की मांग की गई। 2 घंटे तक राशन दुकान का ताला लगा विरोध प्रदर्शन करने के बाद दुकान का चाबी राशन दुकान कर्मियों को सौंप दिया गया और दो माह का राशन देने पर ही राशन उठाओ की बात कही गई। सूचना मिलने पर आम आदमी पार्टी के लुण्ड्रा विधानसभा प्रभारी जय मंगल राजवाड़े, ब्लॉक अध्यक्ष मोहर लाल सहित कार्यकर्ता गांव पहुंचे और ग्रामीणों से राशन वितरण के संबंध में जानकारी प्राप्त करते हुए खाद्य निरीक्षक से फोन पर चर्चा किया और राशन वितरण किए जाने की बात कही जिस पर खाद्य निरीक्षक सतपाल सिंह ने एक वर्ष से राशन वितरण में गड़बड़ी की बात कही ग्रामीणों को दो माह का राशन दिलाए जाने सोसायटी संचालक को निर्देश दिया गया था जिसके बाद उन्होंने फोन काट दिया। इस दौरान ,सुभाष, हुलास, मोहन दास, कलक दास, मनिहारो, फूल सीता, सोनिया, लालो, विलासों, संगीता, प्रतिमा, कलिता, राजकुमारी, सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण महिला पुरुष मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री का जन्मदिवस पर युवा मोर्चा ने आयोजित किया विशेष कार्यक्रम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

लखनपुर। 'सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास' के संकल्प को धरातल पर उतारने वाले प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जन्मदिवस के अवसर पर आज कुन्नी मंडल के अमगसी शक्ति केंद्र में युवा मोर्चा के द्वारा एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से प्रत्यक्ष मुलाकात की गई। योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए, लाभार्थियों ने मुख्यमंत्री जी के उत्तम स्वास्थ्य

और दीघार्यु की कामना करते हुए उन्हें हृदय से आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर मुख्यमंत्री जी का जन्मदिन बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा से नियुक्त प्रभारी कृपा शंकर पटेल संयोजक आरकेस यादव, निखिल मरावी, अभय वर्मा, लाला राघवेंद्र सिंह, अंतर दास, जय लाल, खेम दास, रोशन कुमार एवं युवा मोर्चा के कार्यकता, वरिष्ट ग्रामीण जन, महतारी वंदन योजना के लाभार्थी महिलाएं उपस्थित रही।

मिट्टी के खिलौनों से निखर रही है नन्हे विद्यार्थियों की सृजनात्मक प्रतिभा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जब कक्षा की चारदीवारी से बाहर निकलकर बच्चों के हाथों में किताब-कलम की जगह मिट्टी थमाई जाए, तो उनकी कल्पनाशक्ति कितनी ऊँची उड़ान भर सकती है, यह देखने को मिला विकासखण्ड रामानुजनगर के प्राथमिक शाला उरान्वपारा मदनेश्वरपुर में, जहाँ नन्हे विद्यार्थियों ने मिट्टी से अद्भुत कलाकृतियाँ गढ़कर सबका मन मोह लिया।जिला कलेक्टर एस. जयवर्धन एवं जिला शिक्षा अधिकारी अजय मिश्रा के सकारात्मक मार्गदर्शन में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को केन्द्र में रखते हुए नवाचार आधारित रचनात्मक गतिविधियों की श्रृंखला चलाई जा रही है। इसी क्रम

मेंप्राथमिक कक्षाओं के बच्चों के लिए मिट्टी के खिलौने निर्माण की अत्यंत रोचक एवं शिक्षाप्रद गतिविधि का आयोजन किया गया।गतिविधि में बच्चों ने बड़े जोश और उमंग के साथ भाग लेते हुए मिट्टी से एक से बढ़कर एक आकर्षक आकृतियाँ तैयार कीं जा रही है। विद्यालय की शिक्षिका अमीना बेक ने बताया कि इस प्रकार की गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मक सोच, एकाग्रता, आत्मविश्वास तथा हस्तकौशल का विकास करना है। खेल-खेल में सीखने की यह पद्धति बच्चों को पाठ्यक्रम से परे व्यावहारिक जीवन के लिए भी तैयार करती है।इस आयोजन की तैयारी शिक्षिक अमीना बेक, शोभारानी किसपोट्टा एवं शिक्षक रामकृपाल साहू ने मिलकर की। कार्यक्रम को देखने पहुँचे अभिभावकों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने बच्चों के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए इसे शिक्षा की एक प्रभावी एवं प्रेरणादायक पहल बताया।प्रधानपाठक संजय साहू के मार्गदर्शन में विद्यालय में अनेक नवाचार आधारित गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं, जो न केवल बच्चों में सीखने के प्रति उत्साह जगाती हैं, बल्कि शिक्षा को आनंददायक और जीवन से जोड़ने का सार्थक प्रयास भी करती हैं।

विकास के दावों के बीच उपेक्षित रकसगंडा जलप्रपात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

चांदनी बिहारपुर। सूरजपुर जिले चांदनी बिहारपुर क्षेत्र पर्यटन को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के दावे लगातार किए जाते हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कई बार इन दावों से अलग नजर आती है। इसका ताजा उदाहरण ओड़गी क्षेत्र में स्थित रकसगंडा जलप्रपात है, जो प्राकृतिक सौंदर्य के बावजूद मूलभूत सुविधाओं के अभाव से जूझ रहा है।रेण नदी पर स्थित यह जलप्रपात पिछले पाँच दशकों से क्षेत्र की पहचान बना हुआ है। बरसात के मौसम में इसकी भव्य जलधारा पर्यटकों को आकर्षित करती है, वहीं सर्दियों में यह पिकनिक और पारिवारिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बन जाता है।बिना

किसी बड़े प्रचार-प्रसार के हर वर्ष हजारों लोग यहाँ पहुँचते हैं।

सुविधाओं का अभाव, बढ़ता जोखिम

स्थानीय लोगों के अनुसार आज भी जलप्रपात स्थल पर सुरक्षित एवं पक्का पहुँच मार्ग नहीं है, व्यवस्थित पार्किंग का अभाव, पेयजल और सार्वजनिक शौचालय की व्यवस्था नहीं, खतरनाक किनारों पर सुरक्षा रेलिंग नहीं, चेतावनी संकेतों की कमी, स्वच्छता प्रबंधन की ठोस व्यवस्था नहीं है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के बीच इन मूलभूत सुविधाओं का अभाव दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ा रहा है। क्षेत्र में पूर्व में हादसे भी हो चुके हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता और अधिक महसूस की जा रही है। जानकारी के अनुसार समय-समय पर जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा स्थल का निरीक्षण किया गया है। विकास योजनाओं और पर्यटन संभावनाओं पर चर्चा भी हुई, लेकिन अब तक कोई ठोस और व्यापक विकास कार्य धरातल पर नजर नहीं आता। नागरिकों का कहना है कि यदि मनरेगा जैसी योजनाओं और पर्यटन विभाग के संसाधनों का समन्वित उपयोग किया जाए तो पहुँच मार्ग, सुरक्षा रेलिंग, पार्किंग एवं स्वच्छता जैसी मूलभूत व्यवस्थाएँ आसानी से विकसित की जा सकती हैं।इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

विकास और पर्यावरण का संतुलन जरूरी

विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी प्राकृतिक स्थल का अनियोजित उपयोग पर्यावरणीय क्षति का कारण बन सकता है।यदि समय रहते सुनियोजित विकास और संरक्षण की दिशा में कदम नहीं उठाए गए तो भविष्य में यह धरोहर भीड़, कचरे और क्षरण की समस्या से जूझ सकती है। अब स्थानीय समाज और जनप्रतिनिधि यह सवाल उठा रहे हैं कि क्या विकास की योजनाओं में रकसगंडा जलप्रपात को प्राथमिकता मिलेगी, निरीक्षण और घोषणाओं से आगे बढ़कर वास्तविक कार्य प्रारंभ होंगे।

बिहान योजना पुष्पा राजवाड़े के जीवन में स्वावलंबन और समृद्धि का नया सवेरा लेकर आई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन की बिहान (राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन) योजना ग्रामीण महिलाओं के जीवन में स्वावलंबन और समृद्धि का नया सवेरा लेकर आ रही है। इसका जीवंत उदाहरण सरगुजा जिला के ग्राम मेंड्रा खुर्द की रहने वाली श्रीमती पुष्पा राजवाड़े हैं, जिन्होंने अपनी मेहनत और समूह के सहयोग से न केवल आर्थिक तंगी को मात दी, बल्कि आज वे एक सफल उद्यमी के रूप में लखपति दीदी बनकर उभरी हैं।

बिहान योजना से मिली नई पहचान

पुष्पा राजवाड़े बताती हैं कि पहले वे केवल घर के कामकाज तक ही सीमित थीं। उनके जीवन में बदलाव तब आया जब वे जय श्री शक्ति महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ीं। समूह में शामिल होने के बाद उन्होंने बचत के महत्व को समझा और वित्तीय प्रबंधन सीखा। वर्तमान में वे इस समूह में लेखापाल की जिम्मेदारी बखूबी निभा रही हैं।

कृषि यंत्रीकरण से आय में वृद्धि

जीवन में कुछ बड़ा करने के संकल्प के साथ पुष्पा ने समूह से ऋण (लोन) लिया और एक ट्रैक्टर खरीदा। उन्होंने बताया, पहले हम पारंपरिक हल से खेती करते थे, जिसमें अत्यधिक शारीरिक मेहनत और समय लगता था।ट्रैक्टर आने

से अब खेती का काम न केवल समय पर होता है, बल्कि आसान भी हो गया है। अपनी आय के स्रोतों को बढ़ाते हुए पुष्पा अपने निजी कार्यों के अलावा ट्रैक्टर को किराये पर भी देती हैं, जिससे उन्हें अतिरिक्त आमदनी प्राप्त हो रही है। उनके इस व्यवसाय में उनके पति भी ट्रैक्टर संचालन और कृषि कार्यों में सहयोग कर रहे हैं।

मछली पालन एवं बागवानी से बहुआयामी आजीविका

पुष्पा का संघर्ष और सफलता केवल व्यक्तिगत स्तर तक सीमित नहीं है।उनका समूह मानसरोवर तालाब में मछली पालन और सामूहिक बागवानी का कार्य भी कर रहा है। इन विविध गतिविधियों से समूह की सभी महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं।

योजना से बदली जीवन दिशा

आज पुष्पा अपने दोनों बच्चों का पालन-पोषण और शिक्षा अच्छे स्तर पर कर पा रही हैं। गौरवान्वित होकर वे कहती हैं, आज मैं एक लखपति दीदी हूँ और इसका श्रेय बिहान योजना को जाता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को हृदय से धन्यवाद देते हुए कहा कि बिहान से जुड़कर हमारे जैसी ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है।

एसआईआर, अंतिम प्रकाशन पश्चात निर्वाचन अधिकारी ने राजनैतिक दलों को साझा की मतदाता सूची

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एसआईआर अभियान के विभिन्न चरणों के प्रभावी संचालन के बाद अर्हतः तिथि 1 जनवरी के आधार पर 21 फरवरी को निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन जिला संयुक्त कार्यालय के सभा कक्ष में किया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी एस. जयवर्धन द्वारा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दल से उपस्थित प्रतिनिधियों को अंतिम मतदाता सूची की प्रतियां निःशुल्क साझा की गई। अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन पर कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी एस. जयवर्धन द्वारा समस्त जिले वासियों को इस अभियान मे उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पेंद्र शर्मा द्वारा बताया गया कि चार महिने तक चलने वाल एसआईआर कार्यक्रम के पश्चात अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया गया। जिसमें 06 लाख 75 हजार 186 मतदाता पंजीकृत हैं और प्रारूप सूची मे प्रकाशन के बाद अंतिम सूची में 09 हजार 682 मतदाताओं की वृद्धि हुई हैं।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा आज परीक्षार्थियों हेतु जारी किए गए निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग रायपुर द्वारा राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 का आयोजन आज 22 फरवरी को किया गया है। परीक्षा के आयोजन के लिए जिला मुख्यालय सूरजपुर में 04 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं, जिसमें 1238 परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा दो पालियों में होगी।प्रथम पाली का समय सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली का समय अपरान्ह 3 बजे से 5 बजे तक निर्धारित किया गया है।परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पश्चात उपस्थित होने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होने का अवसर नहीं मिलेगा।परीक्षा प्रारंभ होने के 15 मिनट पहले परीक्षा केन्द्र के समस्त प्रवेश द्वार बंद कर दिये जायेंगे।आयोग के निदेर्शानुसार परीक्षा के दौरान कक्ष में किसी भी अधिकारी एवं परीक्षार्थी को मोबाईल सेल फोन या अन्य किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक सामग्री के साथ प्रवेश करना प्रतिबंधित है। परीक्षा केन्द्र में अभ्यर्थी को अपने साथ फोटो युक्त प्रवेश पत्र एवं मूल पहचान पत्र साथ लेकर आना अनिवार्य होगा। अभ्यर्थियों को जूते अथवा मोटे सोल या ऊंची हील वाले फुटवियर पहनने की अनुमति नहीं होगी। अभ्यर्थी केवल पतले सोल वाली चप्पलें अथवा स्लीपर पहन सकते हैं। अभ्यर्थियों को नजर के चश्मों के अतिरिक्त अन्य किसी प्रकार के चश्में, गॉगल्स, गूगल, मेटा या अन्य डिजिटल ग्लासेस, चश्में पहनने की अनुमति नहीं होगी। ऐसे दिव्यांग अथवा बीमार अभ्यर्थी जिन्हें चिकित्सकीय कारणों से जूते अथवा उपकरण धारण करने की आवश्यकता हो उन्हें गहन जांच के अधीन जूते अथवा उपकरण धारण करने की अनुमति होगी। अभ्यर्थी हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहन कर परीक्षा केन्द्र में प्रवेश ले सकते हैं। काले, गहरे नीले, गहरे हरे, जामुनी, मैरून, बैंगनी रंग एवं गहरे चाकलेटी रंग के कपड़े पहनना वर्जित होगा। अभ्यर्थी कार्गो एवं डिजाईनर कपड़े पहन कर परीक्षा में सम्मिलित नहीं हो सकेंगे।सामान्य जींस पैंट एवं अन्य पैंट पहनने की अनुमति होगी। महिला अभ्यर्थी सलवार-कुर्ती तथा चुनरी तथा चुनरी पहन सकेंगे, लेकिन कुर्ती की बांह छोटी होनी चाहिए।साड़ी के साथ पहने जाने वाली ब्लाउज की बांह आधी होनी चाहिये।कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है। धर्म व रिवाजों के अनुसार अत्यंत आवश्यक आभूषण एवं प्रतीक चिन्हों छोड़कर अन्य आभूषण व प्रतीक धारण करने की अनुमति अभ्यर्थियों को नहीं होगी। विवाहित महिला अभ्यर्थियों को एक नोज पिन तथा एक मंगलसूत्र धारण करने की अनुमति होगी। उक्तानुसार किसी भी आभूषण व प्रतीक के धारण किए जाने की अनुमति गहन जांच के अधीन दी जाएगी। सभी अभ्यर्थियों के लिए प्रत्येक पाली में परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र पर उपस्थित होना अनिवार्य होगा, जिससे उनकी मेटल डिटेक्टर व मैन्युअल तलाशी व फिस्किंग, मूल पहचान पत्र के साथ उनके प्रवेश पत्र का सत्यापन तथा उनके चेहरे के मिलान का कार्य किया जा सके।किसी भी तरह की असुविधा होने पर संबंधित अभ्यर्थी संबंधित परीक्षा केन्द्र के केन्द्राध्यक्ष व सहायक केन्द्राध्यक्ष अथवा जिले में परीक्षा हेतु नियुक्त नोडल अधिकारी सुनील अग्रवाल डिप्टी कलेक्टर के मोबाईल नंबर 7000387900 से संपर्क किया जा सकता है।

विधायक के सतत प्रयासों से शहर की सड़कों के उन्नयन एवं मजबूतीकरण के लिए 36.85 करोड़ की सौगात

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

पत्थलगांव। विकास को नई दिशा देते हुए पत्थलगांव नगर को एक बड़ी विकासात्मक सौगात मिली है।विधायक गोमती साय के निरंतर प्रयासों और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता के परिणामस्वरूप शहर की तीनों प्रमुख सड़कों के उन्नयन एवं मजबूतीकरण के लिए 36 करोड़ 85 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।इस ऐतिहासिक निर्णय से शहर की आधारभूत संरचना मजबूत होगी और विकास को नई गति मिलेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, स्वीकृत कार्यों में इंदिरा चौक से जशपुर रोड (2.00 किमी), इंदिरा चौक से अम्बिकापुर रोड (1.50 किमी) तथा इंदिरा चौक से रायगढ़ रोड (3.80 किमी) शामिल हैं। कुल 7.30 किलोमीटर लंबाई की इन सड़कों का उन्नयन लगभग 36

करोड़ 85 लाख रुपयों से किया जाएगा,जिससे शहर की यातायात व्यवस्था सुगम होगी और नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा प्राप्त होगी। लंबे समय से जर्जर सड़कों के कारण आमजन एवं व्यापारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। इस स्वीकृति के बाद न केवल आवागमन आसान होगा,बल्कि व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा और शहर के समग्र विकास को मजबूती मिलेगी। इस घोषणा से क्षेत्रवासियों में खुशी और उत्साह का माहौल है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर विधायक गोमती साय ने कहा कि यह मेरे क्षेत्र के मेरे परिवारजनों की जीत है उन्होंने अपने विधानसभा के मतदाताओं की ओर से प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं उप मुख्यमंत्री अरुण साव का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से पत्थलगांव क्षेत्र में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं और आगे भी जनता की हर आवश्यक मांग को प्राथमिकता दी जाएगी।

साथ ही श्रीमती साय ने क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह केवल सड़क निर्माण का कार्य नहीं, बल्कि पत्थलगांव के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। उनके सतत प्रयासों से क्षेत्र में विकास का नया दौर शुरू हुआ है,जिससे आने वाले समय में पत्थलगांव एक सशक्त और विकसित नगर के रूप में उभरेगा।

सम्पादकीय

सिर्फ जरूरतमंदों को ही मिले सरकारी मदद

देश में बढ़ते "फ्रीबीज कल्चर" पर एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी करते हुए राज्य सरकारों को स्पष्ट संदेश दिया है कि सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तव में गरीब और वंचित तबकों तक ही सीमित होना चाहिए। शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी भले नई न हो, लेकिन इसके निहितार्थ बेहद गंभीर हैं। जब कल्याणकारी योजनाएं राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का औजार बन जाएं और आर्थिक विवेक पीछे छुट जाए, तब राज्य के विकास पर दीर्घकालिक असर पड़ना तय है। अदालत ने यह टिप्पणी उस याचिका की सुनवाई के दौरान की, जिसमें आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना सभी उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली देने का प्रस्ताव दिया गया था। प्रश्न यह नहीं है कि गरीबों की मदद की जाए या नहीं, निस्संदेह की जानी चाहिए। प्रश्न यह है कि क्या बिना किसी भेद के, भुगतान करने में सक्षम लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देना न्यायसंगत और आर्थिक रूप से टिकाऊ है? कल्याण और तुष्टीकरण के बीच की रेखा बहुत पतली होती है और उसे पहचानना सरकारों की जिम्मेदारी है। भारत जैसे विकासशील देश में संसाधन सीमित हैं। अधिकांश राज्य पहले से ही राजस्व घाटे से जूझ रहे हैं। ऐसे में यदि सरकारों का बड़ा हिस्सा कर्मचारियों के वेतन और मुफ्त राशन/बिजली जैसी योजनाओं पर ही खर्च हो जाए, तो बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार सृजन जैसी प्राथमिकताएं पीछे छूट जाती हैं। अदालत की यह चिंता वाजिब है कि विकास परियोजनाएं अधूरी पड़ी हैं, जबकि चुनावी मौसम में नई-नई घोषणाएं हो जाती हैं। अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता को दांव पर लगाना दूरदर्शिता नहीं कहा जा सकता। लोकलुभावन वादों का आकर्षण हर लोकतंत्र में रहता है। चुनाव के आसपास मुफ्त योजनाओं की बाढ़ आना भी कोई अनोखी बात नहीं, लेकिन क्या यह स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा है? यदि नागरिकों को यह संदेश जाए कि राज्य हर जरूरत खाना, बिजली, गैस बिना शर्त उपलब्ध कराएगा तो काम और उद्यमिता के प्रति प्रेरणा पर भी असर पड़ सकता है। आत्मसम्मान और स्वावलंबन किसी भी समाज की बुनियाद होते हैं। सरकार का दायित्व अवसर पैदा करना है। रोजगार, कौशल विकास, उद्यम के लिए अनुकूल माहौल बनाना, न कि स्थायी निर्भरता की संस्कृति विकसित करना। यह भी सच है कि भारत में अभी भी बड़ी आबादी ऐसी है जो बिजली का बिल, रसोई गैस या जरूरी राशन का खर्च वहन करने में असमर्थ है। उनके लिए लक्षित और पारदर्शी सहायता अनिवार्य है। तकनीक और डेटा के इस युग में आय, सामाजिक-आर्थिक स्थिति और जरूरत के आधार पर लाभार्थियों की पहचान करना संभव है। डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर और आधार-लिंक्ड प्रणालियों ने यह क्षमता बढ़ाई है कि सहायता सही हाथों तक पहुंचे। ऐसे में सभी को मुफ्त की नीति प्रशासनिक सुविधा का बहाना तो हो सकती है, आर्थिक विवेक का नहीं। समस्या यह है कि एक बार मुफ्त योजना शुरू हो जाए तो उसे वापस लेना राजनीतिक रूप से बेहद कठिन हो जाता है। परिणामस्वरूप राजकोषीय बोझ बढ़ता जाता है और भविष्य की पीढ़ियों पर कर्ज का दबाव बढ़ता है। संतुलन ही समाधान है, न कठोर कटौती, न असीमित उदारता। सरकारों को लोकप्रियता से अधिक प्राथमिकता वित्तीय अनुशासन और समावेशी विकास को देनी होगी। तभी सरकारी मदद वास्तव में उन तक पहुंचेगी, जिन्हें उसकी सबसे अधिक आवश्यकता है।

कूटनीति
अरविंद जयतिलक

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो की भारत यात्रा ने दोनों देशों के रिश्ते को मिठास से भर दिया है। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांसीसी राष्ट्रपति की उपस्थिति में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग समेत कई अहम मुद्दों पर सहमति रेखांकित करता है कि दोनों देश संबंधों की ऊंची उड़ान भरने को तैयार हैं। दोनों देशों ने आतंकवाद के हर रूप-स्वरूप को जड़ से मिटाने की वकालत के साथ यूक्रेन, मध्य-पूर्व, और इंडो-पैसेफिक क्षेत्रों में व्याप्त समस्याओं के परिप्रेक्ष्य में कंधा जोड़ने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। दोनों देशों ने 21 अहम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें रिमोटली एच-125 हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली लाइन की शुरुआत बेहद महत्वपूर्ण है।

सामरिक संबंधों को धार देते भारत-फ्रांस

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो की भारत यात्रा ने दोनों देशों के रिश्ते को मिठास से भर दिया है। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांसीसी राष्ट्रपति की उपस्थिति में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग समेत कई अहम मुद्दों पर सहमति रेखांकित करता है कि दोनों देश संबंधों की ऊंची उड़ान भरने को तैयार हैं। दोनों देशों ने आतंकवाद के हर रूप-स्वरूप को जड़ से मिटाने की वकालत के साथ यूक्रेन, मध्य-पूर्व, और इंडो-पैसेफिक क्षेत्रों में व्याप्त समस्याओं के निराकरण के परिप्रेक्ष्य में कंधा जोड़ने की प्रतिबद्धता जाहिर की है। दोनों देशों ने 21 अहम समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनमें रिमोटली एच-125 हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली लाइन की शुरुआत बेहद महत्वपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि कर्नाटक में एच-125 हेलीकॉप्टर की फाइनल असेंबली लाइन शुरू की गई है।

एच-125 इतिहास का एकमात्र हेलीकॉप्टर है जो माउंट एवरेस्ट की चोटी पर उतर चुका है। ध्यान देना होगा कि 'मेड इन इंडिया' एच-125 हेलीकॉप्टर मात्र सिविल हेलीकॉप्टर नहीं है, बल्कि यह भारतीय सेनाओं की जरूरतें भी पूरी करेगा। इससे भारत की सामरिक रक्षा पंक्ति मजबूत होगी। इसके अलावा फ्रांस की साफरान और भारत की 'भारत इलेक्ट्रानिक लिमिटेड' मिलकर भारत में ही हैमर मिसाइल बनाएंगे। गौर करें तो दोनों देशों के बीच राफेल लड़ाकू विमानों से लेकर पनडुब्बियों तक रक्षा सहयोग का लगातार विस्तार हो रहा है। अभी गत वर्ष ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फ्रांस यात्रा हुई थी, तब दोनों देशों के बीच डिफेंस, सिविल न्यूक्लियर एनर्जी और स्पेस सेक्टर में मिलकर काम करने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी और टेक्नोलॉजी को नई धार देने के निमित्त एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) पर अलग से बयान जारी करते हुए वर्ष 2026 को 'इंडो-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन' घोषित किया। तब दोनों देशों ने स्कॉर्पीन सबमरीन निर्माण, मिसाइल हेलिकॉप्टर, जेट इंजन, एडवांस मॉड्यूल रिएक्टर, परमाणु उर्जा एवं शिक्षा के क्षेत्र में मिलकर काम करने के अलावा एकदूसरे को सहयोग करने का भरोसा दिया। मैक्रो की भारत यात्रा ने एक बार फिर रेखांकित किया है कि बदलते वैश्विक परिदृश्य में दोनों देश विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों के जरिए एक-दूसरे का स्वर बनने को तैयार हैं। विगत कुछ वर्षों के दरम्यान दोनों देशों की सामरिक-आर्थिक क्षेत्र को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। इस समय दोनों देश रणनीतिक साझेदारी की 25वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। गत वर्ष पहले ही दोनों देशों के बीच डिफेंस स्पेस पार्टनरशिप, सैटेलाइट लांच के लिए नए स्पेस इंडियन लिमिटेड और एरियन स्पेस के बीच एमओयू हुए। टाटा और एयरबस स्थानीय कंपनी के साथ मिलकर 125 हेलीकॉप्टर बनाने पर सहमति बनी। गौर करें तो रक्षा सहयोग दोनों देशों के संबंधों का आधार है। याद होगा कि गत वर्ष पहले प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस को 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत का महत्वपूर्ण साझीदार बताते हुए सुनिश्चित किया था कि दोनों देश पनडुब्बी हो या नौसैनिक विमान, सभी क्षेत्र में मिलकर काम करने को तैयार हैं। तब दोनों देश 'भारत-फ्रांस हिंद-प्रशांत रोडमैप' जारी करते हुए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक संतुलित और स्थिर व्यवस्था बनाने पर सहमति जाहिर की थी। गौरतलब है

कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रीयूनियन द्वीप, न्यूकैलेडोनिया और फ्रेंच पोलिनेशिया जैसे क्षेत्रों में व्यापक उपस्थिति है। इस पहल से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती दादागिरी पर रोक लगेगी। दोनों देशों के बीच कितने मधुर संबंध हैं इसी से समझा जा सकता है कि फ्रांस प्रधानमंत्री मोदी को अपने देश का सर्वोच्च सम्मान 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर' से सम्मानित कर चुका है। याद होगा जब 1998 में भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया था, तब उससे नाराज होकर दुनिया के ताकतवर मुल्क अमेरिका ने भारत पर प्रतिबंध थोपा था। तब फ्रांस ने भारत के साथ कंधा जोड़ते हुए रणनीतिक समझौते को व्यापक आयाम दिया। फ्रांस लगातार भारतीय सेना को लड़ाकू जेट व पनडुब्बियों समेत साजो-सामान की आपूर्ति कर रहा है। 2018 के बाद से फ्रांस भारत का दूसरा सबसे बड़ा रक्षा आपूर्तिकर्ता देश बन चुका है। मौजूदा समय में भारत अपनी कुल रक्षा आयात का तकरीबन 29 फीसदी फ्रांस से करता है।

दोनों देशों के बीच बढ़ती निकटता ने कारोबारी, रणनीतिक और सामरिक कुटनीति को नए क्षितिज पर पहुंचा दिया है। दोनों देश एक-दूसरे के सैनिक अड्डे का इस्तेमाल और वहां अपने युद्धपोत रखने के अलावा ऊर्जा, तस्करी, आव्रजन, शिक्षा, रेलवे, पर्यावरण, परमाणु, आतंकवाद और अंतरिक्ष मामलों में मिलकर काम कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच यूपीआई को लेकर भी सहमति बन चुकी है। विगत 25 वर्षों के दरम्यान दोनों देशों के बीच साझेदारी और समझदारी का ही परिणाम है कि आज भारत में विदेशी निवेश के लिहाज से फ्रांस तीसरा सबसे बड़ा निवेशक देश बन चुका है। भारत में 1000 से अधिक फ्रांस की कंपनियां काम कर रही हैं और सभी कंपनियों का संयुक्त टर्नओवर तकरीबन 30 अरब डॉलर से अधिक है। विगत ढाई दशकों में भारत-फ्रांस संबंध को एक नया आयाम मिला है और दोनों देश राजनीतिक, आर्थिक व सामरिक संबंधों में बेहतरी के लिए गंभीर प्रयास किए हैं।

फ्रांस के नेतृत्व के दृष्टिकोण में बदलाव के साथ-साथ कुछ द्विपक्षीय बाध्यताओं ने भी दोनों देशों को एक-दूसरे के निकट लाया है। यह तथ्य है कि चीन युद्ध के बाद भारत न केवल महाशक्तियों अपितु अफ्रीका व एशियाई देशों से भी अलग-थलग पड़ गया था। भारत को एक ऐसे देश के प्रति आकृष्ट होना स्वाभाविक था जिससे उसका कोई क्षेत्रीय विवाद न रहा हो। इसके अलावा 1962 में भारत व फ्रांस के बीच क्षेत्रों के हस्तांतरण संबंधी संधि के अनुमोदन ने दोनों देशों के संबंधों में मिठास घोली। तथ्य यह भी कि फ्रांस सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारतीय प्रयास का समर्थन करने वाले प्रथम देशों में से एक था। वह आज भी अपने पुराने रुख पर कायम है। दरअसल, दोनों देशों के राजनीतिक नेतृत्व में कई द्विपक्षीय तथा अंतरराष्ट्रीय विषयों के संबंध में समान सोच है। हालांकि विदेश नीति के विरोधी अभिमुखन के कारण दोनों देशों ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति के मुद्दों पर कई बार विरोधी रुख भी अपनाए हैं। 1973 में फ्रांस के तत्कालीन अर्थव्यवस्था एवं वित्तमंत्री वेलेरी जिसकार्ड जो बाद में फ्रांस के राष्ट्रपति भी बने, की पहल पर 'भारत-फ्रांस अध्ययन समूह' की स्थापना हुई।

इस समूह की पहली बैठक फरवरी 1974 में फ्रांस में हुई तथा दूसरी बैठक मार्च 1975 में नई दिल्ली में हुई। इस समूह की सलाह पर दोनों देशों के मध्य समुद्री तेल उत्खनन, शक्ति उत्पादन व वितरण, कोयला उत्खनन व प्रयोग तथा तीसरे देश में संयुक्त उद्यम स्थापित करने संबंधित कई अहम समझौते पर हस्ताक्षर हुए। सबसे महत्वपूर्ण बात जो दोनों देशों के व्यापार में अहम है वह यह कि 1994 के बाद व्यापार संतुलन हमेशा भारत के पक्ष में बना हुआ है।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन का मार्गदर्शन करती है अंतःकरण की आवाज

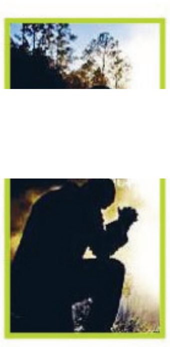

संकलित

दर्शन

हमारे अंतःकरण की आवाज हमारी मुख्य मार्गदर्शक होती है। यही हमें सही और गलत में अंतर का आभास कराती है। मनोविज्ञान के अनुसार, जब किसी मनुष्य का कोई कार्य, विचार और अभिव्यक्ति नैतिक मूल्यों के विपरीत परिणाम देती है तो अंतर्मन की आवाज उस व्यक्ति में ग्लानि और पश्चाताप की भावना को जन्म देती है, लेकिन जब हमारे कार्य नैतिक मूल्यों के अनुरूप परिणाम देते हैं तो इससे मन भीतर से प्रसन्न होता है। आज के इस कोलाहल भरे समय में हम प्रायः अपने अंतःकरण की आवाज को सुन नहीं पाते या उसे सुनकर उस पर अपेक्षित मनन नहीं करते। यही कारण है कि हम अपने जीवन में भटकाव महसूस करते हैं। महात्मा गांधी तो अंतःकरण की आवाज को ही सर्वोच्च मानते थे। उनके कई निर्णयों का आधार ही अंतःकरण की आवाज थी। इसी कारण गांधीजी सत्य के साथ खड़े रहे। इसीलिए उनके द्वारा किए गए अधिकांश प्रयोग सफल रहे। जीवन में सदैव संतुष्ट एवं प्रसन्न रहने का सरल सा तरीका यही है कि हम अपने अंतःकरण की आवाज सुनें, क्योंकि हमारे अंदर से आने वाली आवाज प्रत्येक परिस्थिति में सही होती है। हम जब कभी भी कुछ गलती या बुरा आचरण कर रहे होते हैं, तब हम अपनी भूल को जानते हैं। हमें कुछ अटपटा सा लगता है। भीतर से आवाज आती है कि यह कार्य उचित नहीं है। यही हमारे अंतःकरण की आवाज होती है। यही आवाज हमें कुछ गलत करने से रोकती है। जब हम अपने अंतःकरण की आवाज को अनसुना करते हैं तो अंतरात्मा से हमारा संपर्क कमजोर हो जाता है।

ऐसे काम न करें, जिनसे समाज में गलत संदेश जाएं

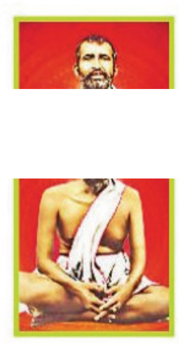

संकलित

प्रेरणा

परमहंस जी अपने शिष्यों को नियमित रूप से उपदेश दिया करते थे। एक दिन जब वे उपदेश दे रहे थे, उस समय एक शिष्य ने उनसे पूछा कि आम लोग तो सभी सुख-सुविधाओं का लाभ उठाते हैं, लेकिन साधु-संतों के लिए इतने कठोर नियम क्यों हैं? परमहंस जी ने शिष्य से कहा कि हमें ऐसे काम करना चाहिए, जिनसे समाज को अच्छा संदेश मिलता है। ये बात साधु-संतों को खासतौर पर ध्यान रखना चाहिए। आम लोग तो समाज में रहकर अनुशासन के साथ सभी काम कर सकते हैं, लेकिन साधु-संत को हर हाल में गलत कामों से दूर ही रहना चाहिए। साधु-संतों को धन का संग्रह नहीं करना चाहिए, सुख-सुविधा पाने की इच्छा नहीं रखनी चाहिए, संत को क्रोध से भी बचना चाहिए। तभी वे समाज को अच्छा संदेश दे सकते हैं। शिष्य ने फिर पूछा कि साधु-संतों के लिए ही इतने कठिन नियम क्यों हैं? जबकि वे भी इसी समाज का हिस्सा हैं। परमहंस जी ने शिष्य को समझाया कि त्याग का संदेश साधु-संत नहीं देंगे तो और कौन दे सकता है। साधु-संत अपने ज्ञान और कर्म से समाज को श्रेष्ठ जीवन जीने की सीख देते हैं। साधु-संत हमें बताते हैं कि हमें किसी भी चीज का मोह नहीं रखना चाहिए, त्याग की भावना रखेंगे तो कभी दुखी नहीं होना पड़ेगा। परमहंस जी ने साधु-संतों के माध्यम से संदेश दिया है कि अगर हम घर-परिवार और समाज को बेहतर बनाना चाहते हैं तो हमें इसकी शुरुआत खुद से करनी चाहिए।

विचार

सोनमणि बोरा

माटीपुत्र पं. श्यामलाल चतुर्वेदी

पद्मश्री पं. श्यामलाल चतुर्वेदी पर कुछ कहना या लिखना अपनी माटी के प्रति एक ऋण के उतारने जैसा है। माटीपुत्र का अलंकरण ऐसे संत पुरुषों को शोभा देता है। उन्हें जब भी देखा, मन, वचन और कर्म से छत्तीसगढ़ की सेवा करते हुए पाया। एक पत्रकार के रूप में, एक साहित्यकार के रूप में, एक समाजसेवी चिंतक के रूप में पं. श्यामलाल चतुर्वेदी जी का नाम अविस्मरणीय है। बात तब की है, जब मैं बिलासपुर में प्रशासन की जिम्मेदारी संभाले हुए था। जाहिर तौर पर जब कलेक्टर था, जब जिले को आगे ले जाने वाली नीतियों को लागू कराने के लिए रोज़ाना सैकड़ों लोगों से मिलना होता था। पं. श्यामलाल चतुर्वेदी जी भी आते थे। एक साधारण से कदकाठी के व्यक्ति, हाथ में झोला लिए हुए, खादी और धोती कुर्ता पहने हुए चलते-फिरते ज्ञान और दूरदृष्टि का भंडार थे। उनसे जब भेंट होती, कुछ न कुछ कहानियां, कुछ न कुछ रोचक बातें होतीं। वे सुनाया करते। एक पत्रकार के तौर पर उनके पास सुनाने के लिए छत्तीसगढ़ के सृजन की कई कहानियां थीं। कई बार वे बताते कि अविभाजित मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बिलासपुर आते, तो कैसे उन्हें वे और उनके साथी पत्रकार घेर लिया करते। बिलासपुर की जायज मांगों को कैसे पूरा करवाते। उनकी इस चर्चा में, उनके इस चिंतन में, उनके इन प्रश्नों में बिलासपुर के विकास का प्रश्न हमेशा रहता और फिर वे हमें सुझाव देते कि आपको नीतिगत फैसलों के क्रियान्वयन के लिए क्या करना चाहिए।

साहित्यकार और वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री पं. श्यामलाल चतुर्वेदी राष्ट्रपति भवन हुए समारोह में जब पद्मश्री अलंकरण से सम्मानित किया गया था, तो मुझे उनके साथ बिताए पल याद आ रहे थे। जब उन्हें राजभाषा आयोग का अध्यक्ष बनाया गया, तब एक मुलाकात हुई थी। वे राजभाषा आयोग के पहले अध्यक्ष थे। भेंट बिलासपुर में ही हुई थी, मैं किसी काम से गया हुआ था बिलासपुर। उन्होंने कहा- "बड़ी जिम्मेदारी मिली है। बहुत कुछ करना है। पता नहीं मैं कर पाऊंगा या नहीं। आप सबका साथ अविरल मिलता रहे, यही कामना है।" हम लोगों ने कहा कि हम तो हमेशा साथ हैं। उनके पुत्र चंद्रकांत और सूर्यकांत दोनों ने उनकी जो सेवा की है, वो अनुकरणीय है। ये उनके पारिवारिक संस्कारों का परिणाम है कि पुत्रधर्म के लिए कई-कई दिनों तक अपनी दिनचर्या का दोनों पुत्रों ने त्याग किया।

पं. श्यामलाल चतुर्वेदी का जन्म 1926 में बिलासपुर जिले के कोटमी गांव में हुआ था। मैंने सुना था कि उनकी कहानी संग्रह भोलवा भोलाराम काफ़ी चर्चित और लोकप्रिय थी। एक बार उसे सुनने का अवसर मिला था। वे छत्तीसगढ़ी के गीतकार भी रहे। उनकी रचनाओं में 'बेटी के बिदा' प्रसिद्ध है। उन्हें 'बेटी के बिदा' के कवि के रूप में लोग पहचानते हैं। बताया जाता है बचपन में मां के कारण उनका रुझान लेखन में हुआ। उनकी मां ने उन्हें सुन्दरलाल शर्मा की 'दानलीला' रटा दी थी।

उन्होंने पत्रकारिता और शिक्षा के क्षेत्र में भी अपनी मूल्यवान सेवाएं दी। वे मूलरूप से तत्कालीन अविभाजित बिलासपुर जिले के ग्राम कोटमी सोनार (वर्तमान में जिला जांजगीर-चांपा) के निवासी रहे, लेकिन साहित्यकार और पत्रकार के रूप में बिलासपुर उनकी कर्मभूमि रही। 1940-41 से पं. श्यामलाल चतुर्वेदी ने लेखन आरंभ किया। शुरूआत हिन्दी में की लेकिन 'विप्र' जी की प्रेरणा से छत्तीसगढ़ी में लेखन शुरू किया। चतुर्वेदी शिक्षक भी थे। श्यामलाल चतुर्वेदी करीब 75 वर्षों तक साहित्य साधना के जरिए हिंदी और छत्तीसगढ़ी साहित्य को समृद्ध बनाने की कोशिश करते रहे।

पं. श्यामलाल चतुर्वेदी का जीवन दर्शन सहजता और सरलता सिखाता है। उनका जीवन दर्शन बताता है कि जो व्यक्ति ज्ञान में बड़ा होता है, वो कितना सहज और सरल होता है। उनके लेखन, चिंतन और समग्र दर्शन पर जो कुछ भी समेटने का प्रयास किया जा रहा है, वो प्रशंसनीय है। ये समाज को आने वाले समय में दिशा देगा, ऐसा मेरा मानना है।

-लेखक आदिम जाति-अनुसूचित जाति विभाग में प्रमुख सचिव के पद पर कार्यरत हैं।

शिव जयंती

इंदौर में गुरुवार को शिवाजी महाराज की 'शिव जयंती' पर छत्रपति शिवाजी महाराज के वेश में एक बालक।

आज की पाती

मोटापा सेहत का दुश्मन

हमारे देश के लोगों में मोटापा बढ़ता जा रहा है। इससे जानलेवा बीमारियों के बढ़ने का खतरा ज्यादा होता है। आज हमने अपनी जीवनशैली और खानपान की आदतों को बिगाड़ कर अपने स्वास्थ्य से खिलवाड़ करना शुरू कर दिया है। मोटापा भी कुदरत के विरुद्ध खानपान और जीवनशैली अपनाने से बढ़ता है। लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और हमारे देश की सरकारें, स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन बहुत से अभियान चलाते हैं। योग गुरु भी इसके लिए काम करते हैं, लेकिन हम उनकी बातों की तरफ ध्यान नहीं देते हैं और फिर गलत खानपान और जीवनशैली अपना कर अपना स्वास्थ्य खराब कर लेते हैं। कुछ लोगों ने अपने खानपान और जीवनशैली की आदत को बिगाड़ कर अपने स्वास्थ्य को खराब करने का काम किया है। *- ललित वाधवानी, भाटापारा*

करंट अफेयर

सूडान की तबाही में 'नरसंहार के स्पष्ट संकेत' दिखे : संरा

संयुक्त राष्ट्र समर्थित मानवाधिकार विशेषज्ञों ने बृहस्पतिवार को कहा कि सूडान के पश्चिमी क्षेत्र दारफुर के एक शहर और उसके आसपास के इलाकों में गैर-अरब समुदायों के खिलाफ सूडानी विद्रोहियों द्वारा अक्टूबर में चलाए गए अभियान में नरसंहार के संकेत दिखाई देते हैं। यह देश में जारी विनाशकारी युद्ध को लेकर एक चौंकाने वाला निष्कर्ष है। सूडान पर एक स्वतंत्र तथ्यान्वेषी मिशन की रिपोर्ट के अनुसार, रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) ने अल-फशेर में 18 महीने की घेराबंदी के बाद बड़े पैमाने पर हत्याएं और अन्य अत्याचार किए। इसके अनुसार, इस दौरान रैपिड सपोर्ट फोर्सेज ने गैर-अरब समुदायों, विशेष रूप से जघावा और फुर समुदायों को नुकसान पहुंचाने के लिए सोची-समझी शर्तें लागू कीं।

संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों का कहना है कि दारफुर में सूडानी सेना के एकमात्र बचे गढ़ अल-फशेर पर आरएसएफ के कब्जे के दौरान कई हजार नागरिक मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि शहर के 260,000 निवासियों में से केवल 40 प्रतिशत ही हमले से बचकर निकलने में कामयाब रहे। उनमें से हजारों घायल हो गए। उन्होंने बताया कि बाकी बचे लोगों का क्या हुआ, यह अभी तक पता नहीं चल पाया है।

ऑफ बीट

एआई का इस्तेमाल कब न करें, यह जानना भी जरूरी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के प्रशिक्षण में आमतौर पर इस बात पर जोर दिया जाता है कि बेहतर परिणाम कैसे हासिल किए जाएं—बेहतर प्रॉम्प्ट कैसे लिखें, प्रश्न को कैसे परिष्कृत करें और सामग्री को अधिक तेजी से कैसे तैयार करें। इस दृष्टिकोण के संदर्भ में एआई को केवल उत्पादकता बढ़ाने वाले औजार के रूप में देखा जाता है और सफलता को गति से मापा जाता है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि यह सोच अधूरी है। आलोचनात्मक एआई साक्षरता अलग प्रश्न उठाती है। इसमें मैं इसका उपयोग कैसे करूं? के बजाय क्या मुझे इसका उपयोग करना भी चाहिए? और इसे तेज कैसे बनाऊं? के बजाय इस प्रक्रिया में मैं क्या खो रहा हूं? के बारे में जानना बेहद जरूरी है। एआई प्रणालियां उन पूर्वाग्रहों को साथ लेकर चलती हैं, जिन्हें अधिकतर उपयोगकर्ता देख नहीं पाते। वर्ष 2025 में 'ब्रिटिश न्यूज़पेपर आर्काइव' पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि डिजिटल व्यवस्था वाले विक्टोरियनकालीन अखबार वास्तव में प्रकाशित सामग्री के 20 प्रतिशत से भी कम का प्रतिनिधित्व करते हैं। उपलब्ध नमूना राजनीतिक प्रकाशनों की ओर झुकाव रखता है और स्वतंत्र आवाज़ों को कम दर्शाता है। ऐसे में यदि कोई शोधकर्ता इसी आधार पर विक्टोरियन समाज के बारे में निष्कर्ष निकाले, तो वह अभिलेखागार में निहित विकृतियों को दोहरा सकता है।

ट्रेंड

एआई -सक्षम शासन

नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में राजस्थान के हमारे स्टार्टअप्स और डेटा-संचालित गवर्नेंस मॉडल को वैश्विक मंच मिल रहा है। दिग्गज कंपनियों के साथ हमारी टीम की चर्चा राज्य में एआई -सक्षम शासन और स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर की नई राहें खोलेगी।
- भजनलाल शर्मा, सीएम, राजस्थान

नौकरियों में पारदर्शिता

अगले कार्यकाल में हमारी सरकार केवल शिक्षा विभाग में ही 50,000+ युवाओं की नियुक्ति करेगी। सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता और गति का जो बड़ा बदलाव आया है, वह आगे भी जारी रहेगा।
- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

सांस्कृतिक असंवेदनशीलता

हमारे प्रधानमंत्री ने बंगाल की महान हस्तियों के प्रति अपनी सांस्कृतिक असंवेदनशीलता का प्रदर्शन किया है। आज श्री श्री रामकृष्ण परमहंसदेव का सम्मान करते हुए उनके नाम के आगे अभूतपूर्व और अनुचित उपसर्ग "स्वामी" जोड़ दिया!
- ममता बनर्जी, सीएम, प. बंगाल

किसान हितों की अनदेखी

अमेरिका के साथ हुई ट्रेड डील में भारत के कृषि क्षेत्र और ऊर्जा सुरक्षा/ रणनीतिक स्वतंत्रता से संबंधित व्यापार को शामिल करना साफ दर्शाता है कि केंद्र सरकार ने अमेरिका के दबाव में आकर अपने घुटने टेक दिए हैं। इसमें किसानों के दूरगामी हितों की अनदेखी की गई है।
- सचिन पायलट, पूर्व केंद्रीय मंत्री

खबर संक्षेप

बेकाबू ईको कार तालाब में गिरी, 4 की मौत

कानपुर। यूपी के कानपुर स्थित शिवली कल्याणपुर मार्ग पर शुक्रवार देर शाम एक ईको कार

बेकाबू होकर सड़क किनारे तालाब में जा गिरी। हादसे में कार सवार 4 लोगों की मौत हो गई, वहीं 4 को सुरक्षित निकाल कर सीएचसी पहुंचाया गया, जबकि चालक लापता है। सभी औरैया के सहायल गांव से एक त्रयोदशी संस्कार में शामिल होकर लौट रहे थे।

कोचिंग सेंटर में आग 90 छात्र बाल-बाल बचे

हैदराबाद। हैदराबाद में शुक्रवार सुबह एक कोचिंग सेंटर में आग लग गई। यह अमीरपेट स्थित

मैत्रीवनम नाम के एक अपार्टमेंट में आग लगी, इस दौरान कुछ छात्र अंदर फंस गए थे, लेकिन दो दमकल गाड़ियां और बचाव दल मौके पर पहुंचे और छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला। फिलहाल, आग पर काबू पा लिया गया और किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है।

गैंगरेप के दोषियों को सुनाई फांसी की सजा

दौसा। महिला से गैंगरेप और फिर उसकी निर्मम हत्या के बहुचर्चित मामले में अदालत ने कड़ा फैसला

सुनाया है। इस मामले में दोनों दोषियों को फांसी की सजा सुनाई गई है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ऋतु चौधरी ने शुक्रवार को सजा सुनाई। कोर्ट ने सजा पर फैसला सुरक्षित रखा था।23 अप्रैल 2022 को जयपुर निवासी महिला अपने पीहर आ रही थी।

जिगना छानबे ब्लॉक में जनसमस्याओं की सुनवाई, समाधान का आश्वासन

ग्राम पंचायत सेमरी और दुगरहा असवा में आवास, आयुष्मान कार्ड, हर घर नल योजना और नाली निर्माण जैसी बुनियादी समस्याओं को लेकर ग्रामीणों ने अधिकारियों के समक्ष अपनी शिकायतें रखीं।

पश्चिम बंगाल एसआईआर विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने दिखाई सख्ती

हाईकोर्ट से न्यायिक अधिकारियों की तैनाती का निर्देश, साथ ही समन्वय भी सुनिश्चित किया जाए

पर्याप्त 'ए' श्रेणी के अधिकारियों की नियुक्ति नहीं की

नई दिल्ली,

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में निर्वाचन आयोग की तरफ से कराए जा रहे एसआईआर)को लेकर उपजे विवाद के मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को कई अहम निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि एसआईआर के काम में लगाए गए सीजेएम को हटाकर पुराने जजों को तलाशें।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा कि न्यायिक अधिकारियों को राहत दें और बंगाल में एसआईआर के काम में सहायता के लिए पूर्व न्यायाधीशों को नियुक्त करने की दिशा में काम करें। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन के लिए पर्याप्त 'ए' श्रेणी के अधिकारियों की नियुक्ति न करने का भी संज्ञान लिया। एसआईआर में न्यायिक अधिकारियों को शामिल किया जाएगा। कोर्ट ने राज्य सरकार और चुनाव आयोग के बीच जारी गतिरोध को देखते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने समन्वय कर आवश्यक सहयोग सुनिश्चित करने और अनुकूल कार्य वातावरण बनाने का निर्देश दिया।

प्रक्रिया पर गतिरोध दूर किया जाए

एसआईआर में लगाए गए सीजेएम को हटाकर पुराने जजों को तलाशें

नियमित सुनवाई पर असर की आशंका

कोर्ट ने कहा कि बंगाल में असाधारण हालात के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। इस निर्देश से नियमित अदालतों में मामलों की सुनवाई प्रभावित हो सकती है, समय एसआईआर प्रक्रिया में लगेगा।

याचिका पर सुनवाई और पक्षकारों की दलीलें

सीएम ममता बेनर्जी की ओर से दाखिल याचिका पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने सुनवाई की। राज्य की ओर से कपिल सिब्बल ने पैरवी की।

राज्य सरकार के रवैए पर नाराजगी

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार के रुख पर नाराजगी जताते हुए कहा कि वह ईआरओ-एईआरओ के लिए योग्य अधिकारियों की व्यवस्था करने में विफल रही है।

भड़काऊ बयानों पर सख्त टिप्पणी

कोर्ट ने भड़काऊ और धमकी भरे भाषणों के मामलों पर भी कड़ी टिप्पणी की। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि दुर्भाग्य से ऐसे बयान अक्सर चुनाव के दौरान दिए जाते हैं और आरोप-प्रत्यारोप का माहौल दो संवैधानिक संस्थाओं- चुनाव आयोग और राज्य सरकार- के बीच भरोसे की कमी दर्शाता है। डीजीपी से हलफना मामांगा। अगली सुनवाई मार्च में होगी।

कोर्ट ने ये निर्देश दिए

- दावे और आपत्तियों का फैसला अब सेवारत और पूर्व न्यायिक अधिकारी करेंगे।
- सीजेएम को हटाकर अन्य उपयुक्त न्यायिक अधिकारियों/पूर्व जजों को लगाया जाए।
- बंगाल सरकार द्वारा पर्याप्त 'ए' श्रेणी के अधिकारियों को तैनात न करने पर गंभीर नाराजगी जताई।
- चुनाव आयोग को 28 फरवरी को बंगाल की ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित करने की अनुमति दी है।
- जरूरत पड़ने पर बाद में पूरक (सप्लीमेंट्री) सूची भी जारी की जा सकती है।
- प्रशासन एसआईआर प्रक्रिया में लगे न्यायिक अधिकारियों को लॉजिस्टिक सहायता और सुरक्षा प्रदान करे।
- न्यायिक अधिकारियों की मदद के लिए माइक्रो ऑब्जर्वर और राज्य सरकार के अधिकारी भी तैनात रहेंगे।
- मुख्य न्यायाधीश अधिकारियों के साथ एक बैठक करें, ताकि पूरी प्रक्रिया सुचारु रूप से चल सके।
- अदालत का आदेश माना जाए और जिला प्रशासन व पुलिस को उनका पालन करना होगा।

दुबई में बेटे की मौत और मां की गुहार

प्रवासी मजदूर की मौत पर केंद्र से जवाब तलब

दुबई में मजदूरी करने गए बेटे की मौत के बाद उसकी पार्थिव देह भारत लाने की मांग को लेकर एक मां ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार समेत अन्य पक्षों से जवाब मांगा है। अदालत ने नोटिस जारी किया और अगली तारीख 16 मार्च तय की है। मां ने अपने बेटे के अंतिम संस्कार के लिए उसकी देह भारत लाने की अनुमति मांगी है।

बाबरी नाम पर मस्जिद निर्माण रोकने की मांग ठुकराई, दलील भी खारिज

सुप्रीम कोर्ट ने बाबर के नाम पर किसी भी मस्जिद के बनने या उसका नाम रखने पर रोक लगाने की

मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने इस दलील को भी खारिज कर दिया कि ऐसी संरचनाएं एक 'क्रूर हमलावर' का सम्मान करती हैं। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने शुक्रवार को एक थोड़ी देर सुनवाई के बाद याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

सिलचर में गृहमंत्री शाह की हुंकार

तीसरी बार सरकार बनाइए, हम एक-एक घुसपैठिए को निकालेंगे

सिलचर से असम विधानसभा चुनाव का शंखनाद किया

सीएम हिमंता सरमा ने गृह मंत्री अमित शाह का किया स्वागत

नई दिल्ली,

देश के गृह मंत्री अमित शाह ने सिलचर से असम विधानसभा चुनाव 2026 का शंखनाद करते हुए 'घुसपैठ' और 'अतिक्रमण' को मुख्य मुद्दा बना दिया है। शाह ने कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि पिछली सरकारों की ढुलमुल नीतियों के कारण सीमाएं सुरक्षित नहीं थीं, जिससे घुसपैठियों ने असम के युवाओं के रोजगार और गरीबों के राशन पर डाका डाला। उन्होंने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के कार्यकाल में हुई कार्रवाई की सराहना करते हुए स्पष्ट किया कि भाजपा का 'तीसरा कार्यकाल' भी होगा।

घुसपैठ की आग कांग्रेस ने फैलाई, इन्हें वोट बैंक बनाया

शाह ने कहा कि असम दशकों तक घुसपैठ की आग में झुलसा है, जिसका मुख्य कारण कांग्रेस का 'वोट बैंक' प्रेम था। उन्होंने दावा किया कि पहले की सरकारों ने जानबूझकर सीमाएं खुली छोड़ीं, जिससे अवैध प्रवासियों ने राज्य की जनसांख्यिकी को बदल दिया। शाह ने भरोसा दिलाया कि मोदी सरकार ने पिछले दस वर्षों में सीमाओं पर निगरानी को अभेद्य बनाया है। यदि जनता तीसरी बार आशीर्वाद देती है, तो तकनीक और सख्त कानून के जरिए हर एक घुसपैठिए को वापस भेजा जाएगा।

सरमा सरकार को सराहा

लाखों एकड़ भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया

शाह ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की 'एक्शन मोड' वाली कार्यशैली की तारीफ करते हुए कहा कि सरकार ने लाखों एकड़ सरकारी और वन भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह जमीन घुसपैठियों के कब्जे में थी, जिसे अब असम के वास्तविक हकदारों को लौटाया जा रहा है। शाह ने दो टूक शब्दों में कहा कि असम की पवित्र भूमि पर किसी भी अवैध कब्जे को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कछार जिले में शाह ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस ने राज्य में अपने शासनकाल के दौरान कोई विकास कार्यक्रम शुरू नहीं किया। अब प्रतिदिन 14 किलोमीटर सड़क का निर्माण हो रहा है, जो देश में सबसे अधिक है।

सीएम योगी की बड़ी घोषणा

शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को किया मालामाल, सैलरी बढ़ाई

नई दिल्ली,

सीएम योगी ने शिक्षा मित्रों की सैलरी बढ़ाने का ऐलान किया है।

अब उन्हें 10 हजार की जगह 18 हजार रुपए हर महीने मिलेगा। यह व्यवस्था एक अप्रैल से लागू होगी। योगी ने कहा, जहां कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय नहीं हैं, वहां विद्यालय बनाए जाएंगे। इसके लिए 580 करोड़ रुपए की व्यवस्था की है। शिक्षामित्रों को अप्रैल से 18 हजार और अनुदेशकों को 17 हजार देंगे। शिक्षकों के लिए पांच लाख कैशलेस इलाज की सुविधा दी जाएगी। बजट 2026-27 पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा क्षेत्र में सरकार द्वारा किए गए व्यापक सुधारों और नई घोषणाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में शिक्षा के इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल सशक्तिकरण, शिक्षक कल्याण और छात्र सुविधाओं को अभूतपूर्व प्राथमिकता दी गई है।

सूर्य किरण एरोबेटिक टीम के करतब

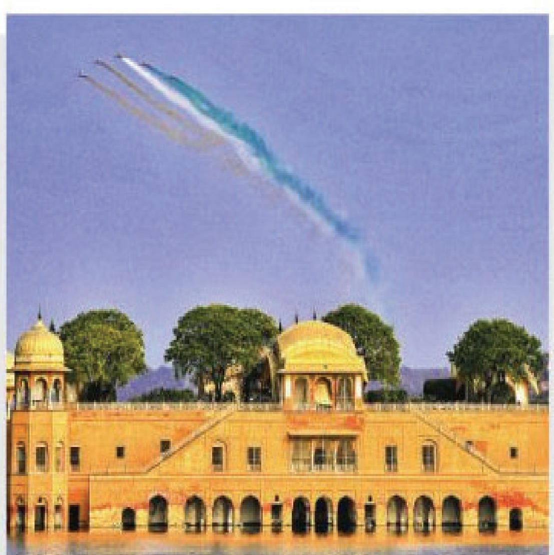

जयपुर। राजस्थान के जयपुर में सारंग और सूर्य किरण एयर शो से पहले भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम (एसकेएटी) ने जल महल के ऊपर करतब दिखाए।

गुजरात के वलसाड में भीषण सड़क हादसा

ट्रक में घुसी कार, दुर्घटना में एक ही परिवार के सात लोगों की मौत

कपराड़ा तालुका इलाके में हादसा

नई दिल्ली,

गुजरात के वलसाड जिले के कुंभघाट इलाके में एक भीषण सड़क दुर्घटना में 7 लोगों की मौत हो गई। कार और ट्रक के बीच हुई इस भीषण टक्कर में एक ही परिवार के 7 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में 2 महिलाएं भी शामिल हैं। जिले के कपराड़ा तालुका के दुर्घटना बहुल्य इलाके में ये हादसा हुआ। पुलिस के अनुसार तेज गति से चल रहे ट्रक और कार के बीच भीषण टक्कर में हादसा हुआ। इस खबर ने इलाके में सनसनी फैला दी। लोग कपराड़ा के अंबा जंगल गांव के रहने वाले थे।

चकनाचूर हुई कार, मौके पर ही 5 ने तोड़ा

कुंभघाट के पास एक मोड़ पर कार सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई। हादसे के बाद मौके पर ही 5 लोगों की मौत हो गई। वहीं, हादसे में घायल 2लोगों को पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

कानूनी कार्रवाई करने में जुटी पुलिस

इससे परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों और महिलाओं का रो-रो कर बुरा हाल हो गया है। पुलिस शवों का पोस्टमार्टम कराने की कोशिश में जुटी है।

न्यायालय तहसीलदार प्रतापपुर, जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

//ज्ञापन//

कमांक/386/तह० / 2026

प्रत्तापपुर, दिनाक 12/02/2026

प्रति,

मौमिन खां पिता बुदुल खां जाति मुसलमान, निवासी भटगांव, तहसील भटगांव,जिला-सूरजपुर (छ०ग०).

अनावेदक

उपस्थिति हेतु नोटिस बाबत।-000

इस न्यायालय का रा०प्र०क० 202601260700026/अ-27/2025-26 पक्षकार सलीम खां प्रति मौमिन खां में

वादभूमि ग्राम खडगवांकला, तहसील प्रतापपुर स्थित खसरा नं0 1768/1, 1897, 2413, 2715, 3050 रकबा 0.12, 201, 0,24, 0.27, 0.55 कुल प्लाट 05 योग रकबा 3.19 हे0 भूमि का 1/2 भाग में खाता विभाजन बाबत प्रकरण विचाराधीन है। अतः आप उक्त प्रकरण में सुनवाई की तिथी 12/03/2026 को समय 11:00 बजे न्यायालय में उपस्थित होना सुनिश्चित करेगें।

तहसीलदार प्रतापपुर

जिला-सूरजपुर (छ०ग०)

कम दबाव के क्षेत्र की वजह से मौसम में आया बदलाव

देश के कई राज्यों में बारिश और बर्फबारी की चेतावनी

मौसम विभाग ने 21-22 फरवरी को तमिलनाडु-केरल में संभावना जताई

नई दिल्ली,

मौसम विभाग ने कम दबाव के क्षेत्र की वजह से दक्षिण भारत में कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।विभाग के अनुसार, 21 व 22 फरवरी को दक्षिण तमिलनाडु, दक्षिण केरल में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने वाली है। 7 दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में दो से चार डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। 22 फरवरी को उत्तराखंड, 23 फरवरी को विदर्भ में, 23 और 24 फरवरी को छत्तीसगढ़, ओडिशा में, 20 और 23 फरवरी को केरल, माहे में, 21 से 24 फरवरी को दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में, 22 से 24 फरवरी को तटीय और उत्तर आंतरिक कर्नाटक में गरज और बिजली गिरने की संभावना है। 22 व 23 फरवरी को जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, 22-24 फरवरी को उत्तराखंड में छिटपुट बारिश व बर्फबारी होने वाली है।

महाराष्ट्र में फिलहाल बदलाव की गुंजाइश नहीं

महाराष्ट्र में अगले चार दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव होने वाला नहीं है। उसके बाद इसमें दो से चार डिग्री सेल्सियस की गिरावट आएगी। गुजरात में अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। उसके बाद इसमें दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है। देश के बाकी हिस्सों में मिनिमम टेम्प्रेचर में भी कोई बड़ा बदला नहीं आएगा।

उत्तराखंड हिमाचल में तेज हवा का अलर्ट

देश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम की अलग तस्वीर है। कहीं बारिश तो कहीं बादल छाए रहेंगे। गुलाबी ठंड तो कहीं तापमान में उछाल दिखेगा। उत्तराखंड, हिमाचल,में बारिश और तेज हवा का अलर्ट जारी किया गया है।

पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में बादल और हल्की बारिश के भी आसार

पूर्वी भारत में फिलहाल तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होगा, लेकिन पश्चिमी विक्षोभ के असर से उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में बादल और हल्की बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश के 20 से ज्यादा जिलों में भी हल्की बारिश के आसार हैं। महाराष्ट्र और गुजरात में अगले कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान 2 से 3 डिग्री बढ़ सकता है।

मोची की दुकान पर रुके राहुल

रामचेत की मौत पर जताया शोक, बिटिया को चाकलेट दी

नई दिल्ली,

यूपी के सुल्तानपुर में कोर्ट में बयान दर्ज कराकर लौटते समय राहुल गांधी अयोध्या-प्रयागराज हाईवे के गुप्तारगंज स्थित रामचेत मोची की दुकान पर रुके। उन्होंने रामचेत के परिवार से बात की। उनके बेटे से परिवार का हाल जाना। इसके बाद लखनऊ के लिए निकल गए।राहुल ने विधायक नगर चौराहा स्थित रामचेत मोची के बेटे राघव दुकान पर थे। वे करीब सात मिनट उनकी दुकान पर रुके। रामचेत की मौत पर श्रंद्धाजलि अर्पित की। बेटे राघव से कहा कि वह रामचेत की मृत्यु पर

नहीं आ पाए। राघव की बिटिया श्रद्धा को अपनी गोदी में उठाया। उसे चाकलेट दी और दुलार किया। राघव को आश्वासन दिया कि जब भी जरूरत पड़ेगी वह उनकी मदद के लिए खड़े हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी में राहुल ने शुक्रवार को सुल्तानपुर में एमपी-एमएलए कोर्ट में अपना बयान दर्ज कराया।

कृषि मंत्री ने साथी बाजार अधोसंरचना निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

किसानों को आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगी साथी बाजार - कृषि मंत्री नेताम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

दुर्ग। प्रदेश के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी, मछली पालन एवं पशुधन विकास मंत्री राम विचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में आज बीज निगम प्रक्षेत्र रूआबांधा भिलाई में देश का प्रथम साथी बाजार अधोसंरचना निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल शिक्षा, ग्रामोद्योग, विधि एवं विधायी कार्य मंत्री गजेन्द्र यादव ने की। प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चन्द्राकर कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। लगभग 60 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाली साथी बाजार के माध्यम से किसानों को आत्मनिर्भर बनाने अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। जिसमें कृषकों के स्व सहायता समूहों/एफ पी.ओ. को उनके उत्पाद सीधे उपभोक्ता को विक्रय करने हेतु अपना मंडी उपलब्ध होगा। कृषको के स्व सहायता समूहों / एफ.पी.ओ. को अपने उत्पादो का भण्डारण करने के लिये 5000 मि. टन का कोल्डस्टोरेज उपलब्ध कराया जायेगा। कृषकों के स्व सहायता समूहों/एफपीओ. को अपने उत्पादों का प्रसंस्करण कराने के लिये प्रसंस्करण उद्योग स्थापित किया जाएगा। कृषकों को उच्च गुणवत्ता एवं उचित मूल्य पर आदान सामग्री उपलब्ध कराने के लिये एग्रीमॉल स्थापित किया जाएगा। कृषकों को नवीन तकनीक की जानकारी एवं सलाह, किराये पर उपकरण तथा परीक्षण सुविधा उपलब्ध कराने के लिये कृषक सहायता केन्द्र स्थापित किया जायेगा जिसका संचालन विश्वविद्यालय के स्नातको द्वारा किया जायेगा। कृषकों के स्व सहायता समूहों, एफ.पी.ओ / स्वदेशी कंपनियो को अपने उत्पाद विक्रय करने के लिये सुपर बाजार उपलब्ध कराया जायेगा। प्रदेश एवं देश की स्वदेशी उद्यमों को अपने उत्पाद विक्रय करने के लिये स्पेशल प्रमोशन जोन के माध्यम से विक्रय काउंटर बूट मॉडल पर उपलब्ध कराये जायेंगे। प्रदेश एवं देश के प्रसिद्ध रेस्टोरेंट को अपना विक्रय काउंटर खोलने के लिये स्थल बूट मॉडल पर उपलब्ध कराये जायेंगे। प्रदेश एवं देश के प्रसिद्ध गेमिंग कंपनियों को अपना काउंटर खोलने के लिये स्थल बूट मॉडल पर उपलब्ध कराये जायेंगे। राज्य की शासकीय इकाईयों जैसे दुग्ध महासंघ, लघुवनोपज संघ, हस्तशिल्प विकास निगम इत्यादि को अपने उत्पाद विक्रय करने के लिए जगह उपलब्ध कराई जाएगी। कृषि मंत्री राम विचार नेताम की मौजूदगी में किसान कल्याण एवं कृषि के नवाचार हेतु चार एमओयू भी हुए। जिसके अन्तर्गत सेरीक्रॉफ्ट फाउण्डेशन रायपुर द्वारा शहतूत (मलवेरी) कोसा उत्पादन कर उत्पादित कोसा को खरीदने की व्यवस्था, कवरक्रॉफ्ट इंश्योरेंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जोखिम को कवर करने के लिए सभी किसानों व जरूरतमंदों को बीमा सुरक्षा, स्वामी विवेकानंद टेक्नीकल युनिर्वसिटी द्वारा ग्रामीण प्रौद्योगिकी एवं इन्टरप्रेनरशीप कृषकों एवं उनके विद्यालयीन बच्चों के लिए शिक्षक प्रशिक्षण उद्यम एवं विपणन हेतु मेंबरशीप देना तथा बलराम कृषि को-ऑपरेटिव सोसायटी द्वारा फसल परिवर्तन नेपियर घॉस उगाकर उपज की खरीददारी, पलारी विस्तारकरण हेतु कांफ्रेंस, बायोगैस एवं पैलेट निर्माण कर किसानों की आय में वृद्धि किया जाएगा। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि किसानों के लिए आज दिन ऐतिहासिक दिन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के किसानों की आय दुगुनी कर आत्मनिर्भर बनाने की परिकल्पना यहां मूतभूर्त रूप लेने जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के सोच के अनुरूप साथी बाजार के माध्यम से आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस बाजार के माध्यम से बेरोजगार भी अपने तकनीकी ज्ञान के आधार पर कृषि के क्षेत्र में नवाचारी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि दुर्ग जिला के किसान नवाचार करने में अग्रणी है। किसानों को उनकी मेहनत का उचित दाम दिलाने का यह एक अच्छा पहल है। प्रदेश की सरकार किसानों के स्वाभिमान बढ़ाने बेहतर कार्य कर रही है। उन्होंने साथी बाजार की सौगात के लिए यहां के किसानों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के अध्यक्ष स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि कृषि की उन्नत तकनीक के साथ नवाचारी में यहां के किसान अग्रणी भूमिका में है। इनके उत्पाद देश के अन्य प्रांतों में भेजे जा रहे हैं। साथी बाजार के माध्यम से उत्पादों के उचित मूल्य मिलने पर उनके आय दुगुनी होगी और वे आत्मनिर्भर होंगे। उन्होंने देश का प्रथम साथी बाजार निर्माण के लिए दुर्ग जिले के चयन पर कृषि मंत्री नेताम जी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

किसान कल्याण मंत्री ने कृषक प्रशिक्षण हॉल व छात्रावास का किया लोकार्पण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

दुर्ग। कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने आज रूआबांधा स्थित कार्यालय क्षेत्रीय कृषि प्रसार एवं प्रशिक्षण संस्थान परिसर में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अंतर्गत नवनिर्मित कृषक प्रशिक्षण हॉल एवं कृषक छात्रावास का लोकार्पण किया। मंत्री नेताम ने कहा कि प्रशिक्षण हॉल एवं छात्रावास दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले किसानों के लिए सुविधाजनक होगा, जिससे वे आवासीय प्रशिक्षण लेकर नई तकनीकों को अपनाएंगे। साथ ही किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, संभागायुक्त एस.एन.राठौर, बीज एवं कृषि विकास निगम अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर तथा तेलघानी बोर्ड अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल, कृषि संचालनालय से संयुक्त संचालक आर.एल. धुरंधर, संयुक्त संचालक कृषि दुर्ग श्रीमती गोपिका गबेल व क्षेत्रीय संचालक श्रीमती ऋति तिवारी सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

बच्चों के चेहरों की मुस्कान बना मुख्यमंत्री के जन्मदिन का सबसे बड़ा उपहार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने 62वें जन्मदिवस को जशपुर के बगिया स्थित बालक आश्रम के बच्चों के बीच जिस आत्मीयता और स्नेह के साथ मनाया, उसने इस दिन को बच्चों के जीवन की एक अविस्मरणीय स्मृति बना दिया। जैसे ही मुख्यमंत्री आश्रम परिसर पहुँचे, बच्चों के चेहरों पर खुशी की चमक दौड़ गई। वे दौड़कर उनके पास आए और कुछ ही क्षणों में पूरा वातावरण एक पारिवारिक मिलन जैसा हो गया। उस पल मुख्यमंत्री किसी पद पर आसीन व्यक्ति नहीं, बल्कि बच्चों के अपने स्नेही अभिभावक की तरह उनके बीच दिखाई दे रहे थे। मुख्यमंत्री साय ने बच्चों के साथ केक काटा और उनके साथ बैठकर बातें कीं। उन्होंने बच्चों के नाम पूछे, पढ़ाई के बारे में जाना, उनके सपनों को सुना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। जब मुख्यमंत्री बच्चों से बात कर रहे थे, तब उनके चेहरे पर झलकता स्नेह और अपनत्व बच्चों के मन में गहरा विश्वास जगा रहा था। बच्चे भी पूरी सहजता से उनसे बातें करते हुए खुशी से चहकते रहे। आश्रम परिसर में उस समय जो दृश्य था, वह एक परिवार के बीच मनाए जा रहे उत्सव जैसा महसूस हो रहा था। मुख्यमंत्री साय ने बच्चों को अपने हाथों से केक और चॉकलेट खिलाया। उन्होंने बच्चों के सिर पर हाथ फेरते हुए आशीर्वाद दिया और कहा कि वे मन लगाकर पढ़ाई करें, बड़े सपने देखें और जीवन में आगे बढ़कर अपने परिवार तथा प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि आप सब बच्चों की मुस्कान मेरे जन्मदिन का सबसे बड़ा उपहार है। उनके इन स्नेहपूर्ण शब्दों ने बच्चों के मन को छू लिया। बच्चों की आँखों में चमक और चेहरे पर मुस्कान इस बात की गवाही दे रही थी कि यह पल उनके लिए कितना खास बन गया है। मुख्यमंत्री के रूप में स्नेही अभिभावक को अपने बीच पाकर बच्चों ने जिस खुशी और अपनत्व का अनुभव किया, वह लंबे समय तक उनकी स्मृतियों में रहेगा। उल्लेखनीय है कि बालक आश्रम बगिया में कक्षा पहली से पाँचवीं तक के छात्र अध्ययनरत हैं, जिनमें अधिकांश बच्चे आदिवासी समुदाय से हैं। मुख्यमंत्री का उनके बीच पहुँचकर जन्मदिन मनाना बच्चों के लिए गर्व और प्रेरणा का विशेष क्षण बन गया। इस अवसर पर विधायक श्रीमती गोमती साय, कमिश्नर नरेंद्र दुग्गा, आईजी दीपक कुमार झा, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उम्मेद सिंह सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण तथा आश्रम के शिक्षक एवं स्टाफ उपस्थित थे।

समाज की प्रगति के लिए संगठित रहना आवश्यक - वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

मंत्री ने माँ परमेश्वरी की प्रतिमा की पूजा कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। वाणिज्य एवं उद्योग, सार्वजनिक उपक्रम, वाणिज्यिक कर और श्रम विभाग मंत्री लखन लाल देवांगन आज देवांगन जनकल्याण समिति दुर्ग द्वारा आयोजित माँ परमेश्वरी महोत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने देवांगन समाज की ईष्ट देवी माँ परमेश्वरी की प्रतिमा की विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। महोत्सव को संबोधित करते हुए मंत्री लखन लाल देवांगन ने समाज की एकता और संगठन को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति के लिए संगठित रहना अत्यंत आवश्यक है। जब समाज संगठित रहेगा, तभी वह शिक्षा, व्यापार, शासकीय सेवा और राजनीति सहित हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकेगा। उन्होंने कहा कि आज कई समाज विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति कर चुके हैं, लेकिन कुछ समाज अभी भी पीछे हैं। ऐसे में सभी समाजों को मिल-जुलकर कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि हर व्यक्ति को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों की अच्छी शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाती है। मंत्री देवांगन ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री का भी यही उद्देश्य है कि समाज का हर वर्ग आगे बढ़े। उन्होंने प्रधानमंत्री के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वासह्व के मंत्र को दोहराते हुए समाज के सर्वांगीण विकास की आवश्यकता पर बल दिया। प्रदेश के अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं दुर्ग ग्रामीण विधायक विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने देवांगन समाज को सुलझा हुआ और जागरूक समाज बताते हुए कहा कि यह समाज लंबे समय से व्यापार, कृषि और वस्त्र निर्माण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देता आया है। उन्होंने कहा कि जांजगीर-चांपा क्षेत्र में कोसा व्यापार में भी देवांगन समाज की अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि कोई भी समाज तभी आगे बढ़ता है जब वह संगठित और मजबूत होकर चलता है, और इसके लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कई बार बेटा-बेटी आगे नहीं बढ़ पाते। समाज को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत हो और बच्चों को आगे बढ़ने का अवसर मिले। उन्होंने कहा कि समाज को नौकरी मांगने वाला नहीं, बल्कि नौकरी देने वाला समाज बनना चाहिए। इस दौरान खादी ग्रामोद्योग अध्यक्ष राकेश पाण्डेय ने महिलाओं से सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण से ही समाज और प्रदेश का समग्र विकास संभव है। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष पुराणिक लाल देवांगन, कमलेश देवांगन, संकटलाल देवांगन, अशोक देवांगन, श्रीमती कल्पना देवांगन, श्रीमती तुलसी साहू सहित समाज के पदाधिकरण एवं जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जन्मदिन पर सेवा का संदेश: मुख्यमंत्री ने जन्मदिन पर रक्तदान शिविर का किया शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने 62वें जन्मदिन के अवसर पर राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास परिसर में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना की तथा रक्तदाताओं को सम्मानित कर उन्हें प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री के 62वें जन्मदिन के अवसर पर अल्फा ग्लोब फाउंडेशन, रायपुर तथा शिवनाथ ब्लड सेंटर द्वारा 62 लोगों के रक्तदान की विशेष व्यवस्था की गई थी। मुख्यमंत्री साय ने इस अवसर पर कहा कि रक्तदान महादान है और यह मानवता की सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि दुर्घटनाओं, प्रसव एवं गंभीर बीमारियों के दौरान जब मरीजों को रक्त की आवश्यकता पड़ती है, ऐसे में रक्तदान मरीजों के जीवन में नई आशा का संचार करता है। उन्होंने कहा कि शिविर में रक्तदाताओं को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए गए हैं, जिससे आवश्यकता पड़ने पर वे या उनके परिजन निःशुल्क रक्त प्राप्त कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि संस्था द्वारा एक वर्ष में लगभग 11 हजार यूनिट रक्त संग्रह का संकल्प लिया गया है तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विभिन्न ब्लड बैंकों के साथ समन्वय स्थापित किया जाएगा। इस अवसर पर सुरक्षित यातायात जागरूकता अभियान का भी आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री साय ने युवाओं से वर्ष में कम से कम एक बार रक्तदान करने तथा सड़क यातायात नियमों का हर समय पालन करते हुए जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने सभी रक्तदाताओं, आयोजकों, चिकित्सक दल एवं स्वास्थ्य विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए शिविर की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं।

खेल के मैदान से मिलता है स्वास्थ्य, समन्वय और सफलता का मंत्र : अरुण साव

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने शुक्रवार को रायपुर प्रेस क्लब द्वारा सुभाष स्टेडियम में आयोजित स्वर्गीय कुलदीप निगम स्मृति इंटर-प्रेस क्रिकेट टूनामेंट के फाइनल मुकाबले में पहुंचकर पत्रकार खिलाड़ियों से आत्मीय मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने खेल मड़ई के सफल आयोजन के लिए रायपुर प्रेस क्लब और पत्रकारों को बधाई दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री साव ने फाइनल मैच खेल रही संयुक्त इलेक्ट्रॉनिक टीम के कप्तान एवं प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी तथा विस्तार न्यूज टीम के कप्तान मृगेंद्र पांडेय सहित दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। संयुक्त इलेक्ट्रॉनिक टीम ने विस्तार न्यूज को पराजित कर खिताब अपने नाम किया। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सुभाष स्टेडियम में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल का मैदान व्यक्ति को जीवन की अनमोल पूंजी प्रदान करता है। खेल हमें अच्छा स्वास्थ्य देता है, अच्छे दोस्त देता है, समन्वय की भावना सिखाता है और संबंधों को मजबूत बनाता है। जब व्यक्ति को यह सब मिलता है तो वह जीवन में प्रसन्न रहता है, खुशहाल रहता है और निरंतर तरक्की की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने रायपुर प्रेस क्लब द्वारा पिछले कई दिनों से आयोजित इस खेल मड़ई की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन आपसी स्नेह को बढ़ाते हैं और स्वस्थ जीवन-शैली के लिए प्रेरित करते हैं। पत्रकारिता जैसे दायित्वपूर्ण क्षेत्र में सक्रिय साथियों के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी पत्रकार साथी इसी तरह मुस्कुराते रहें, स्वस्थ रहें और अपनी जिम्मेदारियों का

आश्रम-छात्रावास में सीखो-सिखाओ, अंजोर फैलाओ कार्य संस्कृति के जरिए विद्यार्थियों को जीवन की चुनौतियों से मुकाबला करने किया जा रहा तैयार

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा के मार्गदर्शन में प्रोजेक्ट संकल्प के तहत वर्ष 2026 के लिए दो चरणो में विभागीय अधिकारियों और अधीक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ताकि इस कार्यक्रम के माध्यम से राज्य के सभी आश्रम-छात्रावासों में ह्यप्रोजेक्ट संकल्प का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा सके। इस पहल का उद्देश्य ह्यसीखो-सिखाओ, अंजोर फैलाओ की कार्य संस्कृति को संस्थागत स्वरूप देना तथा विद्यार्थियों को जीवन की चुनौतियों से सफलतापूर्वक मुकाबला करने के लिए तैयार करना है। प्रमुख सचिव बोरा ने कहा है कि छात्रावास केवल आवासीय सुविधा का केंद्र नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और नेतृत्व विकास के सशक्त मंच हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम को गंभीरता से लिया जाए, ताकि विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन और सकारात्मक सोच विकसित हो सके। प्रशिक्षण का कार्यक्रम दो चरणों में संपन्न होगा प्रथम चरण में जनजाति बाहुल्य 21 जिलों के सहायक आयुक्तों का 2.5 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में जीवन के रंग, खुशियों के संग्रह्व कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा करते हुए जिलों में कार्यान्वयन की रणनीति तैयार की जाएगी। प्रशिक्षण उपरांत सभी जिलों द्वारा अपने-अपने छात्रावासों के लिए कार्ययोजना विभाग को प्रस्तुत की जाएगी। द्वितीय चरण में छात्रावास एवं आश्रम अधीक्षकों के लिए 8 दिवसीय वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें 6 दिनों तक प्रतिदिन 3 घंटे के सत्रों में ह्यसफलता मंत्र 1 से 9 तक की अवधारणाएँ साझा की जाएंगी। बीच के दो दिनों में अधीक्षक सीखी हुई बातों को अपने जीवन एवं विद्यार्थियों के साथ व्यवहार में लाने का प्रयास करेंगे।

आयुष्मान कार्ड महाअभियान 26 से 28 तक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में स्वास्थ्य सुरक्षा को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत आयुष्मान कार्ड महाअभियान का आयोजन किया जा रहा है। कलेक्टर एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार व जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के.डी. पैकरा के मार्गदर्शन में 26 से 28 फरवरी तक तीन दिवसीय आयुष्मान कार्ड महाअभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किए जाएंगे तथा स्वास्थ्य दल पारा, मोहल्ला एवं घर-घर जाकर वंचित हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाएंगे, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति इस योजना के लाभ से वंचित न रह सके। जिला प्रशासन ने समस्त पात्र एवं आयुष्मान कार्ड से वंचित हितग्राहियों से अपील की है कि वे इस महाअभियान का लाभ उठाएं और 26 से 28 फरवरी के बीच नजदीकी शिविर में पहुंचकर अथवा घर पर ही अपना आयुष्मान कार्ड अवश्य बनवाएं, क्योंकि यह कार्ड किसी भी गंभीर बीमारी की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा का सबसे बड़ा आधार है।

चौपाल से चौखट तक पहुंच रहे विधायक भूलन सिंह

देवनगर मंडल के गांव-गांव पहुंचे, सुनी समस्याएं, समाधान का दिया भरोसा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जन-प्रतिनिधियों की सक्रियता अक्सर चुनावी मौसम तक सीमित मानी जाती है, लेकिन भूलन सिंह मरावी, विधायक प्रेमनगर, इन दिनों लगातार क्षेत्रीय दौरे कर इस धारणा को बदलते नजर आ रहे हैं। सरल स्वभाव और सहज व्यवहार के साथ वे गांव-गांव पहुंचकर सीधे ग्रामीणों से संवाद कर रहे हैं और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुन रहे हैं। देवनगर मंडल के अंतर्गत ग्राम पंचायत धनेशपुर, पंडरी, छापर, पोड़ी, तेजपुर, तेलाईमुड़ा, सुमेरपुर और लेडुआ में विधायक ने व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया। हर गांव में उनका अंदाज औपचारिकता से अलग दिखा—कहीं चौपाल में बैठकर बुजुर्गों से चर्चा, तो कहीं महिलाओं और युवाओं के साथ योजनाओं पर खुली बातचीत। ग्रामीणों ने सड़क, पेयजल, आवास, पेंशन और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं खुलकर रखीं। विधायक ने आश्वस्त किया कि संबंधित अधिकारियों को

आवश्यक निर्देश देकर समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकास केवल कागजों तक सीमित न रहकर जमीनी स्तर पर दिखाई देना चाहिए। इस दौरान उन्होंने शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी ग्रामीणों को दी और पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक भी आयोजित की गई। देवनगर मंडल अध्यक्ष अनिल साहू, विधायक प्रतिनिधि संत कुमार साहू, महामंत्री दौलत प्रताप सिंह, जितेंद्र जायसवाल, दीपक मुंगेरी, राकेश साहू, जोखू सिंह, संजय बघेल सहित बूथ अध्यक्ष, बीएलए-2 एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में संगठन की मजबूती, बूथ स्तर पर सक्रियता और शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई।

लगातार हो रहे इन दौरों से स्पष्ट है कि विधायक क्षेत्र की जनता के बीच अपनी उपस्थिति सुदृढ़ बनाए हुए हैं। गांवों में उनकी सहज उपस्थिति और संवाद की शैली यह संदेश दे रही है कि जनप्रतिनिधि केवल मंच तक सीमित नहीं, बल्कि चौपाल से चौखट तक पहुंच रहे हैं—और यही सक्रियता क्षेत्रीय विकास की दिशा तय करेगी।

कालीघाट मंदिर में चैत्र नवरात्र की तैयारियां शुरू

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत महावीरपुर अजीरमा में स्थित कालीघाट मंदिर में चैत्र नवरात्र के अवसर पर भक्ति, उत्साह और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर होने वाला है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी यहां भव्य आयोजन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। शनिवार को मंदिर समिति की अहम बैठक आयोजित कर पूरे नौ दिनों के कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तय की गई।

बैठक में तय किया गया कि इस बार नवरात्र महोत्सव को और भी आकर्षक और भव्य बनाया जाएगा। नौ दिनों तक माता रानी की विशेष पूजा-अर्चना, अखंड ज्योति, दुर्गा सप्तशती पाठ और प्रतिदिन भंडारे का आयोजन होगा। भक्तों की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जाएंगी। इस वर्ष आयोजन की खास बात होगी विशाल मीना बाजार, जहां स्थानीय व्यापारियों के साथ बाहरी दुकानदार भी अपनी दुकानें सजाएंगे। बच्चों के लिए झूले, खेल-तमाशे और स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

साथ ही राष्ट्रीय स्तर की डांस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभिन्न राज्यों से प्रतिभागी हिस्सा लेने पहुंचेंगे। लोकनृत्य, आधुनिक नृत्य और धार्मिक प्रस्तुतियों से मंच सजेगा। विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।नवरात्र की शुरुआत पारंपरिक कलश यात्रा से होगी। अलग अलग मार्डल की विशेष प्रस्तुति भी इस बार आकर्षण का केंद्र रहेगी। ज्ञात हो कि पिछले दस वर्षों से समिति अध्यक्ष विक्की समद्दार के नेतृत्व में यहां चैत्र नवरात्र का आयोजन होता आ रहा है। हर वर्ष आयोजन का स्वरूप और भी विस्तृत होता जा रहा है, जिससे कालीघाट महावीरपुर की पहचान क्षेत्रीय धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में मजबूत हुई है। बैठक में समिति अध्यक्ष विक्की समद्दार, तपन सिकदार, डॉ. नरेश विश्वास, नितिन चौहान, राजेश राय, दिलीप यादव, अभय लकड़ा, अभय खराती, मिक्का सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

आध्यात्मिक आयोजनों से समाज में नैतिक मूल्यों व भाईचारे को मिलता है बढ़ावा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सनातन संत समाज के तत्वावधान में यज्ञशाला भवन करवां में गहिरा गुरु संत रामेश्वर की प्रेरणा से आयोजित चार दिवसीय सार्वजनिक श्री विष्णु महायज्ञ श्रद्धा, भक्ति और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन पूजन कर विधि-विधान पूर्वक संपन्न हुआ। महायज्ञ में मुख्य अतिथि के रूप में सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज उपस्थित थे। अन्य अतिथियों में जिपं सदस्य किरण केराम, सरपंच निरूपा सिंह सम्मिलित हुए। मुख्य अतिथि सांसद चिंतामणि महाराज द्वारा यज्ञशाला में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और उन्नति की कामना की। मुख्य अतिथि ने कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजनों से समाज में नैतिक मूल्यों, आपसी भाईचारे को बढ़ावा मिलता है।

आप सभी संत समाज द्वारा पूज्य रामेश्वर गहिरा गुरुजी के बताए गए सत्य, शांति, दया, क्षमा को धारण करें। चोरी, हत्या, मिथ्या त्याग करें।आप लोग आदर्श मार्ग पर चलकर समाज को संगठित करने का पुनीत कार्य कर रहे हैं। स्थानीय यज्ञशाला भवन का निर्माण सन 1995 में सनातन धर्म संत समाज आश्रम गहिरा के सौजन्य से हुआ है। तब से लेकर आज तक समाज के लोगों द्वारा प्रतिवर्ष सार्वजनिक विष्णु यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। 18 से 21 फरवरी तक सुबह एवं सायं काल में पूजा अर्चना हवन एवं भजन सत्संग का कार्यक्रम कराया गया। यज्ञाचार्य अंबिका प्रसाद वैष्णव एवं रामखेलावन वैष्णव द्वारा विधि विधान पूर्वक यज्ञ संपन्न कराया गया। समापन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें दूर दराज से आए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।इस अवसर पर अमर साय राजवाड़े, दुलेश्वर कुशवाहा, राम प्रसाद पैकरा, अमरलाल सिंह, भुवनेश्वर सिंह, रामनारायण सिंह, संतोष कुशवाहा, श्रीराम कुशवाहा, फलेश्वर कुशवाहा, नंदकिशोर कुशवाहा, राजकुमार कुशवाहा, दुर्गा साहू, तेज प्रताप सिंह, वीरसाय राजवाड़े, रवि कुशवाहा, ललन सिंह, प्रकाश कुशवाहा, सहित अन्य उपस्थित थे।

10 वीं बोर्ड परीक्षा के 72 केन्द्रों में शामिल हुए 9775 परीक्षार्थी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा आयोजित हाई स्कूल मुख्य परीक्षा में शनिवार को 10वीं के हिन्दी विषय की परीक्षा सम्पन्न हुई। जिले में परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु कुल 72 परीक्षा केन्द्र निर्धारित किये गये हैं। कक्षा 10वीं के हिन्दी विषय की आज आयोजित परीक्षा जिले के समस्त 72 केन्द्रों में शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। परीक्षा में कुल दर्ज 10,053 परीक्षार्थियों में से 9,775 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 278 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर गठित उड़नदस्ता दलों द्वारा विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान समस्त परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा व्यवस्था संतोषजनक पाई गई और किसी भी केन्द्र में नकल का कोई प्रकरण दर्ज नहीं हुआ।

रविदास जयंती का समापन एवं सूर्यवंशी महासभा के कार्यकारिणी विस्तार आज

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सूर्यवंशी महासभा छग राज्य के तत्वावधान में गुरू पर्व के अवसर पर संत शिरोमणि गुरू रविदास महाराज की 649 वीं जयंती का समापन समारोह आज रविवार को आयोजित हैं, उक्त कार्यक्रम के दौरान प्रदेश स्तरीय बैठक एवं कार्यकारिणी विस्तार संपन्न होगा। कार्यक्रम का आयोजन सूरजपुर स्थित चेरवा सामुदायिक भवन, रिंग रोड नमदागिरी में किया जाएगा।

आयोजन में सरगुजा, बस्तर, दुर्ग, रायपुर और बिलासपुर संभाग सहित विभिन्न जिलों से समाज के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं गुरु रविदास जी अनुवाई भारी संख्या में शामिल होंगे। समारोह में संत गुरु रविदास महाराज जी के समाज सुधार, एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला जाएगा तथा समाज में समरसता, समानता और भाईचारे के संदेश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया जाएगा। आयोजकों ने सभी समाजबंधुओं एवं अनुवाईयों कार्यक्रम में उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने की आग्रह किया गया है।उक्त जानकारी कार्यवाहक सम्भागीय अध्यक्ष आदेश कुमार रवि ने दिया हैं।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) संभाग सूरजपुर (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना (प्रथम आमंत्रण)

क्रमांक–5900/एन.आई.टी.–10/2025–28/व.ले.लि. दिनांक 17.02.2026

निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन करने की अंतिम तिथि – 26.02.2028 अपरान्ह 5.30 बजे तक

ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदायें प्राप्त करने की अंतिम तिथि – 06.03.2028 अपरान्ह 6.30 बजे तक

निविदा खोलने की तिथि – 06.03.2020 पूर्वान्ह 11.30 बजे से

एन.आई.टी. क्र. निविदा क्र.	कार्य नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रू.) बैंक साल्वेंसी (रू.)
10 T0080	जिला सूरजपुर के छट घाट सरस्वतीपुर से रामनगर मार्ग में रोड फनीचर एवं रोड सेफ्टी आईटम प्रोवाइडिंग एवं फिक्सिंग का कार्य।	4.40 3300.00 66000.00

नियम व शर्तें :–

(Special Clause Issued By Deputy Secretary Govt. of Chhattisgarh Public Works Department, Raipur vide Memo no. 21-5/T/19/2012/Tender Naya Raipur Dated 15-10-2020)

Special Condition For SOR Item No. 8.4, 8.5 & 8.13 Applicable.)

ई–पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी 'द' से 'अ' में पंजीकृत ठेकेदार निविदा में भाग ले सकेंगे, निविदा प्रपत्र की कीमत 750.00 प्रति निविदा फार्म है. कार्य पूर्णता की अवधि 01 माह (वर्षा ऋतु सहित) है। निविदा संबंधी अन्य शर्ते विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभागीय संभागीय कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स)
संभाग सूरजपुर

जी-252606792/2

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता जल संसाधन संभाग, कुनकुरी (छ.ग.)

शुद्धि पत्र क्र.1

निविदा सूचना क्र. 08/व.ले.लि./2025–26, दिनांक 11.02.2026, निविदा सिस्टम नं. 185414 (प्रथम आमंत्रण), जी नम्बर– 252606650 में निम्नानुसार संशोधन किया जाता है–

S.No.	Amendments
1.	Bid Start date & time 20.02.2026 at 17:31 Hours.
2.	Online Tenders are invited up to 06.03.2026, 17:30 Hour
3.	Bid Open Date and Time 09.03.2026, at 11:30 Hours.

निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

कार्यपालन अभियन्ता
जल संसाधन संभाग
कुनकुरी (छ.ग.)

जी-252606800/2

अंतर्राष्ट्रीय रेफरी गौस बेग पुलिस गेम्स प्रतियोगिता केरल में होंगे निर्णायक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। ऑल इंडिया पुलिस स्पोर्ट्स बोर्ड द्वारा 74 वीं अंतर ऑल इंडिया पुलिस वॉलीबॉल क्लस्टर प्रतियोगिता 23 से 27 फरवरी को त्रिवेंद्रम केरल में आयोजित की जा रही है। जिसमें भारत देश के सभी राज्यों की महिला एवं पुरुष टीमों के अलावा बी.एस.एफ. सी.आई.एस.एफ, सी. आर. पी. एफ. आई.टी.बी.पी. के टीमें भाग ले रही है। यह प्रतियोगिता भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगिता में से एक है जिसमें कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी शिरकत करेंगे। वालीबॉल फेडरेशन ऑफ़ इंडिया द्वारा इस प्रतियोगिता के सफल संचालन हेतु सरगुजा संभाग के एकमात्र अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल रेफरी सूरजपुर जिले के मोहम्मद गौस बेग का चयन किया गया है। जो छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। विदित हो कि गौस बेग को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के मैचो साथ-साथ वालीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित? भारत की सबसे बड़ी प्रतियोगिता सीनियर नेशनल चैंपियनशिप, नेशनल गेम्स, फेडरेशन कप, यूथ चैंपियनशिप, जूनियर चैंपियनशिप ,सब जूनियर चैंपियनशिप, मिनी चैंपियनशिप के अलावा अंतर सर्विसेज प्रतियोगिता के साथ-साथ भारत के विभिन्न राज्यों में आयोजित ऑल इंडिया प्रतियोगिताओं के सैकड़ो मैंचो में रेफरी के रूप में सफलतापूर्वक कार्य करने का अनुभव प्राप्त है। ऑल इंडिया पुलिस गेम्स वॉलीबॉल प्रतियोगिता के पिछले वर्षों में ? आयोजित पटना बिहार, करनाल हरियाणा एवं भिलाई की इस प्रतियोगिता में भी गौस बेग रेफरी के रूप में संचालन कर चुके हैं। उल्लेखनीय है की सूरजपुर जिले के गौरव गौस बेग छत्तीसगढ़ राज्य के एकमात्र अंतरराष्ट्रीय एक्टिव वॉलीबॉल रेफरी है जिन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के अलावा भारत देश के साथ-साथ विदेश में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में अपनी एक अलग पहचान बनाते हुए मैचो का सफलतापूर्वक संचालन किया है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की छवि धूमिल करने जा विरोध, भाजयुमो ने फूँका राहुल का पुतला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर शनिवार को यहां जिला मुख्यालय के अग्रसेन चौक में भाजयुमो जिलाध्यक्ष देव गुप्ता के नेतृत्व में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का विरोध प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन किया गया। दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित अंतरराष्ट्रीय एआई इम्पैक्ट समिट में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए अभद्र प्रदर्शन और राहुल गांधी द्वारा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर दिए गए बयानों के विरोध में यह प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी माफी मांगो और देश का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान जैसे नारों के साथ अग्रसेन चौक में जोरदार नारेबाजी किया।

इस अवसर पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष देव गुप्ता ने कहा कि, राहुल गांधी के इशारे पर कांग्रेस के युवा कार्यकर्ताओं ने अंतरराष्ट्रीय डेलिगेट्स के सामने जिस तरह का अशोभनीय व्यवहार किया है, उससे विश्व पटल पर भारत की गरिमा को ठेस पहुंची है। वे लगातार विदेशी मंचों और अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में देश को नीचा दिखाने का प्रयास कर रहे हैं, जिसे युवा मोर्चा कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। पुतला दहन कार्यक्रम में जिला भाजपा के पदाधिकारी, भाजयुमो जिला कार्यकारिणी के सदस्य, मंडल अध्यक्ष और भारी संख्या में युवा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस दौरान भाजपा महामंत्री शशिकांत गर्ग, अशोक सिंह, कोषाध्यक्ष संदीप अग्रवाल, भाजयुमो के पूर्व प्रदेश महामंत्री रितेश गुप्ता, भाजयुमो के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मुकेश साहू, उपाध्यक्ष अविनाश सहवाल, वेद प्रकाश सिंह, शहीम अंसारी, मित्तल पांडे, मीडिया प्रभारी दीक्षित वर्मा, विकास अग्रवाल, सोनू साहू, विशाल गुप्ता, मंडल अध्यक्ष दिलीप साहू, राजकुमार यादव, महेंद्र साहू उपाध्यक्ष, शानू साहू उपाध्यक्ष, योगेन्द्र साहू उपाध्यक्ष, बंटी ठाकुर महामंत्री, हर्ष गुप्ता महामंत्री, आर्यन गुप्ता मंत्री, राहुल कसेरा मंत्री, हेमंत बैगा मंत्री, मेहुल विश्वास, जय सिंह, प्रदीप यादव, अमन साहू, यश अग्रवाल, सूरज सोनी, संदीप साहू, आकाश सोनी, प्रिंस साहू, मनीष घनश्याम, डिकेश, तालकेश्वर, मुकेश राजवाड़े सहित भाजपा एवं युवा मोर्चा के पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

भाजपा, भाजयुमो व किसान मोर्चा ने मनाया का जन्मदिन, श्रमिक व कार्यकर्ताओं का किया गया सम्मान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शनिवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जन्मदिन पर भाजपा, भाजयुमो व किसान मोर्चा ने अलग अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा के मंशानुसार भाजयुमो द्वारा जिला अध्यक्ष देव गुप्ता के नेतृत्व में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया गया। जिला मुख्यालय के वार्ड क्रमांक 16 स्थित दुर्गा पंडाल में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता कर्मियों और ज़मीनी कार्यकर्ताओं का सम्मान कर खुशियाँ साझा की गईं।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी, भाजपा महामंत्री शशिकांत गर्ग, अशोक सिंह, भाजयुमो के पूर्व प्रदेश महामंत्री रितेश गुप्ता, नगर पालिका उपाध्यक्ष शैलेष अग्रवाल, वार्ड पार्षद प्रमोद तायल, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता रमेश अग्रवाल, अशोक मित्तल, मानमत बछार उपस्थित रहे।

इस अवसर पर भाजयुमो के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मुकेश साहू सहित अविनाश सहवाल, वेद प्रकाश सिंह, शहीम अंसारी, मित्तल पांडे, दीक्षित वर्मा, विकास अग्रवाल, सोनू साहू, विशाल गुप्ता, मंडल अध्यक्ष दिलीप साहू, राजकुमार यादव, महेंद्र साहू उपाध्यक्ष, शानू साहू उपाध्यक्ष, योगेन्द्र साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शहर मंडल ने बच्चों के बीच कटा केक

भाजपा शहर मंडल द्वारा मुख्यमंत्री का जन्मदिवस सेवा एवं सम्मान के साथ मनाया गया कार्यक्रम का आयोजन भाजपा सूरजपुर शहर मंडल अध्यक्ष अरविन्द मिश्रा के नेतृत्व में यहां के शासकीय प्राथमिक शाला, सुभाष चौक में किया गया, जहां स्कूली बच्चों के साथ केक काटकर जन्मदिवस मनाया गया तथा बच्चों को अध्ययन सामग्री, चॉकलेट एवं फल वितरित किए गए।

किसान मोर्चा ने मजदूरों का शाल भेंट कर किया सम्मान

किसान मोर्चा जिला महामंत्री अजय अग्रवाल अज्जू के नेतृत्व में मोर्चा द्वारा स्थानीय अग्रसेन चौक पर श्रमिकों एवं किसानों का साल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस दौरान श्रमिकों एवं किसानों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके योगदान को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला बताया गया।

किसान मोर्चा जिला महामंत्री अजय अग्रवाल अज्जू ने अपने संदेश में कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार किसानों, मजदूरों एवं गरीब वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन हमेशा सेवा और समर्पण की भावना से समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। किसानों की समृद्धि ही प्रदेश की उन्नति का आधार है और मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

जिला मंत्री राजेश्वर तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनकी आय बढ़ाने एवं कृषि को लाभकारी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। उक्त कार्यक्रम में डॉ. एच. एन. चतुर्वेदी, शहर मंडल अध्यक्ष अरविन्द मिश्रा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष प्यारे लाल साहू भाजपा महामंत्री राजू देवांगन एवं नीरज जिंदिया, वार्ड पार्षद प्रमोद तायल, प्रदीप सोनी, हिमांशु जैन, संदीप जायसवाल, सत्यनारायण गुप्ता, गुलाब साहू, संस्कार अग्रवाल, देवमुनिया साहू, किशन देवांगन सहित अनेक कार्यकर्ता कृषक ,श्रमिक एवं नागरिकगण उपस्थित रहे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

Annexure-A

निविदा सूचना

(1) निविदा संख्या टीआरडी-बीएसपी-300-25-26 दिनांक: 16/02/2026

कार्य : (1) बिलासपुरः बिलासपुर डिवीजन में सीआईसी सेक्शन पर भूमिगत केबल द्वारा 33 केवी ओवरहेड पावर लाइन क्रॉसिंग का संशोधन। (2) बिलासपुर डिवीजन में बैहाटोला-अंबिकापुर, बोरीडांड-चिरिमिरी और बिलासपुर यार्ड के बीच भूमिगत केबल द्वारा 33 केवी ओवर हेड पावर लाइन क्रॉसिंग का संशोधन।

निविदा मूल्य: रु.2,42,40,399.45/- बयाना राशि : रु. 2,71,200.00/- निविदा जमा करने की तिथि व समय : दिनांक 19/03/2026 के 15:00 बजे तक।

(2) निविदा संख्या टीआरडी-बीएसपी-301-25-26 दिनांक: 17/02/2026

कार्य : तीन साल तक बिलासपुर डिवीजन में बिलासपुर-कटनी और अनूपपुर-अंबिकापुर सेक्शन के बीच सीआईसी पर ओएचई/ट्रैक पर गिरने वाले असुरक्षित पेड़ों की डालियों की छंटाई।

निविदा मूल्य : रु.2,37,56,151.32/- बयाना राशि : रु. 2,68,800.00/- निविदा जमा करने की तिथि व समय: दिनांक 23/03/2026 के 15:00 बजे तक।

पात्रता के मापदंड तथा अन्य विस्तृत जानकारी के लिए कृपया हमारे वैबसाइट www.ireps.gov.in पर पधारें। निविदा सूचना को वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (क.वि.), दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर (छ.ग.) के कार्यालय के नोटिस बोर्ड से भी देखे जा सकते हैं।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता (क.वि.)
सीपीआर/10/AM/714 द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
अम्बिकापुर 22 फरवरी 2026

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

एसआईआर के बाद 6,02,310 मतदाता पंजीकृत, 3,818 की वृद्धि

मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की सुदृढ़ आधारशिला-कलेक्टर

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत वसंत की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिले के मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय कांग्रेस, आम आदमी पार्टी तथा बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत प्रकाशित अंतिम मतदाता सूची के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ रायपुर के निर्देशानुसार 27 अक्टूबर 2025 से जिले में निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान प्रारंभ किया गया था। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर चार माह तक निरंतर एवं चरणबद्ध रूप से संचालित इस अभियान के पश्चात 21 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन कर दिया गया है। ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के उपरांत 23 दिसंबर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक दावे एवं आपत्तियां प्राप्त की गईं, इनका निराकरण 14 फरवरी 2026 तक नियमानुसार किया गया।

कुल पंजीकृत मतदाता (21 फरवरी 2026) 6,02,310, ड्राफ्ट प्रकाशन के बाद 3,818 वृद्धि हुई है। प्रारंभिक मतदाता संख्या (27 अक्टूबर 2025) 6,74,980 थी। ड्राफ्ट प्रकाशन (23 दिसंबर 2025) में 5,98,492 मतदाता थे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के सभी नागरिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, बीएलओ, बीएलए एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र की सुदृढ़ आधारशिला है। यदि पात्र मतदाता का नाम अंतिम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, तो नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म-6 भरकर उसके साथ घोषणा पत्र और आवश्यक सहायक दस्तावेज संलग्न कर ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। साथ ही अंतिम मतदाता सूची में दी गई जानकारी में कोई त्रुटि एवं स्थानातंरण हेतु फॉर्म-8 भरकर आवश्यक दस्तावेज़ों के साथ ऑनलाइन या ऑफलाइन सुधार के लिए आवेदन किया जा सकता है। कलेक्टर ने सभी पात्र नागरिकों से अपील की कि वे अंतिम मतदाता सूची में अपना नाम अनिवार्य रूप से जांच लें, ताकि कोई भी पात्र मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे। बैठक में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सुनील नायक, एसडीएम श्री फ़गेश सिन्हा तथा निर्वाचन शाखा के कर्मचारी उपस्थित थे।

पारदर्शिता एवं सहयोग

विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान नागरिकों से प्राप्त नवीनतम फोटोग्राफ को भी अंतिम मतदाता सूची में अद्यतन किया गया है। सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को अंतिम मतदाता सूची की दो प्रतियां (एक फोटोयुक्त मुद्रित एवं एक फोटोरहित सॉफ्ट कॉपी) निःशुल्क उपलब्ध कराई गई हैं। इस अभियान को समयसीमा में सफलतापूर्वक पूर्ण करने हेतु 03 निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी, 48 सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी, 876 बीएलओ एवं 1564 बूथ लेवल एजेंट सहित अनेक अधिकारी-कर्मचारियों एवं स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रही। मीडिया एवं नागरिकों का भी महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

घर-घर सत्यापन एवं डिजिटलीकरण

विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान 782 बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण एवं सत्यापन कार्य संपादित किया गया। कुल 6,74,980 मतदाताओं का मिलान एवं मैपिंग कार्य पूर्ण किया गया तथा प्राप्त 5,98,492 गणना प्रपत्रों का शत-प्रतिशत डिजिटलीकरण सुनिश्चित किया गया। सर्वेक्षण के दौरान मृत, स्थायी रूप से स्थानांतरित एवं दो स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं की पहचान कर आवश्यक संशोधन किए गए। जिन मतदाताओं के गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए, उनकी पुष्टि हेतु बीएलओ एवं संबंधित राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित की गई। संपूर्ण जानकारी जिला प्रशासन एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर भी प्रदर्शित किए गए।

विधानसभावार अंतिम मतदाता सूची का आंकड़े

विधानसभा लुण्ड्रा (09) ड्राफ्ट मतदाता 1,86,699, जुड़े 1379, विलोपन 246, वृद्धि 1,133 अंतिम मतदाता 1,86,832 हुए। विधानसभा अम्बिकापुर (10) ड्राफ्ट मतदाता 2,25,649, जुड़े 2,598, विलोपन 884, वृद्धि 1714, अंतिम मतदाता 2,27,363 हुए हैं। विधानसभा सीतापुर (11) ड्राफ्ट मतदाता 1,87,144, जुड़े 1015, विलोपन 44, वृद्धि 971, अंतिम मतदाता 1,88,115 हुए हैं।

मतदाता नाम जांच एवं आवश्यक प्रपत्र

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 01.01.2026 की पात्रता तिथि तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा भी प्रपत्र संख्या 6 भरकर भविष्य में प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। भविष्य में समय-समय पर होने वाले आवश्यक संशोधनों के अनुसार, नागरिक प्रपत्र संख्या 6, 7 और 8 भी भर सकेंगे। आगामी अर्हता तिथि 01/10/2026 के संदर्भ में भावी मतदाताओं से आवेदन प्रपत्र 6 में प्राप्त किया गया है। सभी मतदाता अंतिम मतदाता सूची में अपना नाम वोटर पोर्टल, बीएलओ के माध्यम से अथवा जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय ईआरओ, एईआरओ से संपर्क करके जांच सकते हैं।

बिना सूचना लंबे समय से अनुपस्थित शिक्षकों के विरुद्ध करें विभागीय जांच, करें बर्खास्तगी की कार्रवाई

कलेक्टर ने अनुकंपा एवं लंबित पेंशन प्रकरणों का निपटारा तय समय-सीमा में करने कहा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्कूल शिक्षा विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। उन्होंने आगामी सत्र प्रारंभ होने से पहले सभी जर्जर एवं मरम्मत योग्य स्कूल भवनों की सूची तैयार कर चिन्हांकन करने के निर्देश दिए। लंबे समय से बिना सूचना के अनुपस्थित शिक्षकों के विरुद्ध विभागीय जांच कर नियमानुसार बर्खास्तगी की कार्रवाई सुनिश्चित करने कहा। मध्याह्न भोजन (एमडीएम) के संबंध में कलेक्टर ने सभी विद्यालयों में गैस सिलिंडर का उपयोग सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने निर्देशित किया कि जिन विद्यालयों में 50 से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं, उन्हें प्राथमिकता से चिन्हांकित कर गैस सिलिंडर उपलब्ध कराया जाए। एमडीएम की नियमित मॉनिटरिंग कर गुणवत्ता एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें।

कलेक्टर ने जिले के सभी शासकीय स्कूलों की पद एवं विषयवार रिक्तियों की जानकारी ली। उन्होंने आगामी शिक्षा सत्र प्रारंभ होने से पूर्व अतिथि शिक्षक एवं अतिथि व्याख्याताओं की भर्ती प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नए सत्र में किसी भी विद्यालय में शिक्षक की कमी के कारण शिक्षण कार्य बाधित नहीं होना चाहिए। बैठक में विद्यार्थियों के बौद्धिक विकास पर विशेष जोर देते हुए कलेक्टर

ने सभी हाई एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में 'न्यूज डेस्क' के रूप में दैनिक समाचार पत्र उपलब्ध कराना अनिवार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा इससे विद्यार्थियों में सम-सामयिक ज्ञान एवं अभिव्यक्ति क्षमता का विकास होगा। साथ ही प्राइमरी एवं मिडिल स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान के 25 से 30 प्रश्न-उत्तर तैयार कर नियमित अभ्यास कराने के निर्देश भी दिए। बैठक में अनुकंपा नियुक्ति एवं लंबित पेंशन प्रकरणों का गंभीरता से निराकरण के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि बिना पूर्व अनुमति के अनुपस्थित कर्मचारियों को जिला कार्यालय की स्वीकृति के बिना पुनः उपस्थिति की अनुमति न दी जाए। उन्होंने सभी शिक्षकों की आधार आधारित उपस्थिति (बायोमेट्रिक/आधार लिंक) पंजीयन प्रक्रिया शत-प्रतिशत पूर्ण करने कहा। पेयजल विहीन स्कूलों की जानकारी लेते हुए प्रत्येक विद्यालय परिसर में आवश्यकतानुसार एक बोरवेल खनन कराने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. दिनेश झा, डीएमसी सर्वजीत पाठक सहित सभी ब्लॉक शिक्षा अधिकारी व बीआरसी उपस्थित रहे।

अपार आईडी निर्माण के प्रगति की समीक्षा

कलेक्टर ने बच्चों के अपार आईडी निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। सभी बीईओ को निर्देशित किया गया कि विद्यार्थियों के जन्म प्रमाण पत्र एवं जाति प्रमाण पत्र की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर प्रकरण एसडीएम कार्यालय को प्रेषित करें। विभागों के समन्वय से प्रमाण पत्र निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए हैं।

दस्तावेजीकरण और शिविरों का आयोजन

दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए प्रमाण पत्र निर्माण हेतु ब्लॉक स्तर पर विशेष शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने सभी विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों को विस्तृत प्रगति प्रतिवेदन तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि निर्धारित समय-सीमा में प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

निधन-आरना वर्मा

अंबिकापुर। उद्यान विभाग में कार्यरत गोधनपुर निवासी अश्वनी वर्मा व मेडिकल कॉलेज अस्पताल में स्टाफ नर्स के पद पर

पदस्थ श्रीमती किरण वर्मा की सुपुत्री कुमारी आरना वर्मा (13) का बीमारी से संघर्ष करते रायपुर के एम्स अस्पताल में निधन हो गया। आरना शहर के मोंटफोर्ट स्कूल में कक्षा आठवीं में अध्ययनरत थी। पिछले कई दिनों से उनका स्वास्थ्य खराब चल रहा था। शुक्रवार को शंकर घाट में उसका अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि पिता अश्वनी वर्मा ने दी। अंतिम यात्रा में काफी संख्या में स्वजन, उद्यान विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों के कर्मचारी शामिल हुए। अंतिम संस्कार के बाद शंकर घाट में ही दो मिनट का मौन रखकर आरना को मौन श्रद्धांजलि देकर परिवार को अपार दुःख सहने की शक्ति मिले, ईश्वर से प्रार्थना की गई।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बरगीडीह का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उन्नयन

लुण्ड्रा विधायक ने मोबाइल मेडिकल यूनिट को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले के विकासखण्ड लुण्ड्रा के अंतर्गत ग्राम बरगीडीह में आज स्वास्थ्य सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बरगीडीह का उन्नयन कर उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में लोकार्पित किया गया। साथ ही पी.एम. जनमन कार्यक्रम के तहत मोबाइल मेडिकल यूनिट को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह ने की। विशिष्ट अतिथियों में जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, सतीश जायसवाल, संजय गुप्ता, बी.डी.सी. मो. हलीम फिरदौसी, जयंतनाथ सिंह, जनपद सदस्य कुसुम कांता, सरपंच बरगीडीह संगीता पैकरा, सरपंच खाराकोना तुलेश्वर पैकरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस. मार्को एवं खण्ड चिकित्सा अधिकारी धौरपुर डॉ. राघवेन्द्र चौबे सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

विधायक प्रबोध मिंज ने अपने संबोधन में कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के रूप में उन्नयन से क्षेत्रवासियों को बेहतर एवं विस्तृत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होंगी। आने वाले समय में स्टॉफ की संख्या में वृद्धि एवं विशेषज्ञ सेवाओं के विस्तार से स्थानीय ग्रामीणों को जिला अस्पताल तक लंबी दूरी तय करने की आवश्यकता कम होगी। उन्होंने क्षेत्र में सड़क, पुल-पुलिया निर्माण, हायर सेकेण्डरी स्कूल स्थापना तथा विभिन्न स्थानों पर एनीकेट निर्माण जैसे विकास कार्यों की भी जानकारी दी। पी.एम. जनमन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रारंभ की गई मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से विकासखण्ड लुण्ड्रा के दूरस्थ एवं पहुंचविहीन आदिवासी अंचलों में नियमित स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जाएंगी। इससे ग्रामीणों को उनके ग्राम स्तर पर ही जांच, परामर्श एवं प्राथमिक उपचार की सुविधा उपलब्ध होगी। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं, हम सभी का है कर्तव्य

सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय में रासेयो द्वारा विधिक शिविर का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय सुभाषनगर में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा विधिक शिविर का आयोजन प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी रासेयो रानी रजक के नेतृत्व में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि न्यायाधीश जे.एम.एफ.सी गिरवर सिंह राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि आप भावी शिक्षक हैं, हम सभी को मिलकर साइबर क्राइम को रोकना है। युवा आज जितना अच्छा कार्य कर रहे हैं, उतना ही गलत भी कर रहे हैं। गाड़ियां सही नहीं चलाने से सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं। इससे शारीरिक हानि तो होता ही है, आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। परिवार को भी कई प्रकार की क्षति का सामना करना पड़ता है। हम प्रतिदिन स्कूल, कॉलेज, कार्यालय या

अन्य कार्यों के लिए आने-जाने में सड़कों का उपयोग करते हैं। दुःख की बात है कि हजारों लोग हर वर्ष सड़क हादसे में अपनी जान गंवा देते हैं। अधिकांश दुर्घटनाएं लापरवाही, नियमों की अनदेखी और जल्दबाजी के कारण होती है। तेज गति से वाहन चलाना, मोबाइल फोन का उपयोग करना, शराब पीकर गाड़ी चलाना, हेलमेट या सीट बेल्ट नहीं लगाना ये सभी दुर्घटनाओं के मुख्य कारण हैं। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का पालन करके कई प्रकार की दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। सड़क सुरक्षा केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, यह हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने डिजिटल क्राइम के बारे में भी बताया, और कहा आजकल सोशल मीडिया में फेक अकाउंट बनाकर लोगों को ठग्गा जा रहा है। ऑनलाइन किसी लिंक का उपयोग नहीं करना चाहिए। ऑनलाइन ओटीपी किसी दूसरे व्यक्ति को नहीं बताना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन में एक लक्ष्य रखना है, उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना है, और तब तक कोशिश करना है जब तक हम उसे प्राप्त न कर लें।

नीरज कुजूर ने अपने उद्बोधन में साइबर ठगी पर प्रकाश डाला और कहा कि आज के डिजिटल युग में इंटरनेट ने हमारे जीवन को आसान, तेज और सुविधाजनक बना दिया है। हम घर बैठे बैंकिंग, खरीददारी, पढ़ाई और संचार जैसे अनेक कार्य कर लेते हैं। जहां सुविधा होती है, वहां खतरे भी साथ-साथ आते हैं। उन्होंने कहा कि आज ठग नए-नए तरीके अपनाकर लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। कभी फर्जी कॉल करके बैंक अधिकारी बन जाते हैं, कभी लॉटरी जीतने का झांसा देते हैं, तो कभी नकली वेबसाइट बनाकर लोगों से भुगतान करवा लेते हैं। हमें ऑनलाइन सोशल मीडिया का उपयोग तो करना है परन्तु सावधानी से करना है। अंत में महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा कार्यक्रम के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई। उन्होंने अतिथियों का आभार प्रदर्शन करके कार्यक्रम का समापन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक प्रियलता जायसवाल, उर्मिला यादव, मिथलेश कुमार गुर्जर, सुप्रिया सिंह, सविता यादव, सीमा बंजारे, पूजा रानी एवं नितेश कुमार यादव एवं सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकों, विद्यार्थियों, बीएड द्वितीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर के प्रशिक्षणार्थियों की उपस्थिति रही।

प्रसव के बाद महिला की मौत, बच्ची को चिकित्सकों ने रखा निगरानी में

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रसव के बाद महिला की तबियत बिगड़ी, अस्पतालों का चक्कर काटते उसकी मौत हो गई। बच्चे को चिकित्सकों ने अपनी निगरानी में रखा है। जानकारी के मुताबिक छतरपुर मध्य प्रदेश के ग्राम गुलगंज निवासी अनिता अहिरवार पति दौलत अहिरवार 25 वर्ष गर्भवती थी, और प्रसव के लिए अपने मायके सरगुजा संभाग के रामानुजगंज थाना अंतर्गत भुंइयाटोली आई थी। 20 फरवरी को प्रसव पीड़ा के बाद महिला अपने मायके घर में ही समय से पहले सात माह में बच्ची को जन्म दी, जिसका वजन 900 ग्राम है। इसकी जानकारी मिलने पर मितानिन जच्चा, बच्चा की सुरक्षा के लिए इन्हें रामानुजगंज के शासकीय अस्पताल में ले गए। यहां बच्ची को भर्ती कर लिया गया, वहीं महिला में प्रसव के बाद बनी शारीरिक कमजोरी और पैर में सूजन के साथ तकलीफ को देखते हुए आवश्यक उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के बाद बलरामपुर जिला अस्पताल रिफर कर दिया था। चिकित्सकों ने महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रिफर कर दिया था, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मृतिका के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

शराब का सेवन करके सड़क पर गिरे वृद्ध की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शराब के नशे में गिरकर चोटिल हुए वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस ने बताया मृतक अंत कुमार तिर्की पिता स्व. बुचु तिर्की 58 वर्ष, सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम बनेया हरदीसांड़ का रहने वाला था। 19 फरवरी को अत्यधिक शराब का सेवन करके आते वक्त घर के पास ही सड़क पर गिर गया था, जिसमें उसे चोटें आई थी। स्वजन उसे सीतापुर स्वास्थ्य केन्द्र लेकर गए, यहां से रेफर करने पर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया था, यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

कार की ठोकर से घायल स्कूटी सवार की इलाज दौरान मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कार की ठोकर से घायल स्कूटी सवार होटल के कर्मचारी की इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक इंदरानगर, गांधीनगर निवासी एलेन्द्र मोचारी पिता राम सिंह मोचारी 43 वर्ष, होटल पर्पल आर्चिड में काम करता है। 31 दिसम्बर 2025 की रात को वह होटल से काम करने के बाद देर रात करीब एक बजे स्कूटी वाहन क्रमांक सीजी 15 डीओ 6375 से घर फुंदुरडिहारी जाने के लिए निकला था। रास्ते में गांधी चौक पर चौक को पार करते समय कार क्रमांक सीजी 15 ईजी 5999 का चालक तेज गति में लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए उन्हें ठोकर मार दिया, जिसमें स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गया, और एलेन्द्र को शरीर के कई हिस्से में चोटें आई थी। घायल का इलाज होलीक्रॉस अस्पताल में चल रहा था, यहां इलाज के बीच वह दम तोड़ दिया। घटना की रिपोर्ट पूर्व में ही कोतवाली थाना में दर्ज कराई गई है, जिस पर पुलिस ने कार चालक के विरूद्ध बीएनएस की धारा 125 (ए), 281 का मामला दर्ज किया है। वहीं होलीक्रॉस अस्पताल के पुलिस सहायता केंद्र में अस्पताल से मिली मृत्यु की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है, और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

Since 2003
Based on CBSE Syllabus
Admission Open
Nursery to 10th
Milestones School
English Medium
Add. : Behind Central Bank Gudri Chowk, Ambikapur Mob. 9826190902
Office Time : 10 AM to 2 PM

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर